MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-104

आबादी आधी- हक पूरा

महिला आरक्षण बिल पेश, बहस जारी

नयी दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े तीनों बिल पेश हो गए हैं और इस पर चर्चा चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण नारी शक्ति का हक है और जो भी बिल का विरोध करेगा वो चुनाव हारेगा, आरक्षण का विरोध करने वालों को महिलाएं माफ नहीं करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में विपक्षी दलों को ये भरोसा भी दिया कि परिसीमन में किसी भी राज्य के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी लोकसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में अमित शाह ने परिसीमन के मुद्दे पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ये भी बताया कि परिसीमन के बाद दक्षिण भारत के हर राज्य को कितनी लोकसभा सीटें मिलेंगी।

प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि हम देश को नई दिशा देने जा रहे हैं। ये 21वीं सदी का सबसे अहम बिल है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र के जीवन में कुछ महत्वपूर्ण पल आते हैं, और उस समय की समाज की मन स्थिति और नेतृत्व की क्षमता उस पल को कैप्चर कर एक राष्ट्र की अमानत बना देती हैं। एक मजबूत धरोहर तैयार करती हैं। भारत के संसदीय इतिहास में ये वैसा ही पल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं को

जो विरोध करेगा, वो जरूर हारेगा : मोदी

मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है, महिलाओं ने उसे माफ नहीं किया है।

संसद के विशेष सत्र में गुरुवार को हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी लोकसभा में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आवश्यकता तो ये थी कि 25-30 साल पहले, जब ये विचार सामने आया तभी इसे लागू कर देते। आज हम इसे काफी परिपक्वता तक पहुंचा देते। आवश्यकतानुसार उसमें समय-समय पर सुधार होते और यही तो लोकतंत्र की खूबसूरती होती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस बिल को राजनीतिक रंग न दें।

मैं आज जिम्मेदारी के साथ सदन में कहना चाहता हूं कि चाहे दक्षिण हो, उत्तर हो, पूर्व हो, पश्चिम हो, छोटे राज्य हों या बड़े, मैं जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि यह निर्णय प्रक्रिया किसी के साथ भी भेदभाव नहीं करेगी। यह निर्णय प्रक्रिया किसी के साथ अन्याय नहीं करेगी। भूतकाल में जो सरकारें रही और जिनके कालखंड में जो परिसीमन हुआ और जो अनुपात चला आ रहा है, उस अनुपात में भी कोई बदलाव नहीं होगा और वृद्धि भी उसी अनुपात में होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम सभी सांसद इस महत्वपूर्ण अवसर को जाने न दें। हम भारतीय मिलकर देश को नई दिशा देने जा रहे हैं। हमारी शासन व्यवस्था को एक संवेदनशीलता से भरने का एक सार्थक प्रयास करने जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस मंथन से जो अमृत निकलेगा, वह देश की राजनीति के रूप-स्वरूप को तय करने के साथ देश की दिशा और दशा भी तय करेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं मानता हूं कि विकसित भारत का मतलब, सिर्फ उत्तम प्रकार की रेल, कुछ इंफ्रास्ट्रक्चर, रास्ते या कुछ आर्थिक प्रगति के आंकड़े, सिर्फ इतने से विकसित भारत की सीमित कल्पना वाले हम नहीं हैं। हम चाहते हैं कि विकसित भारत के नीति निर्धारण में सबका साथ-सबका विकास का मंत्र समाहित हो। पीएम मोदी ने आगे कहा कि देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या देश की नीति निर्धारण का हिस्सा बने, ये समय की मांग है। हम पहले ही देरी कर चुके हैं, कारण कुछ भी हो, जिम्मेदार कोई भी हो। इसे हमें स्वीकार करना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे देश में जब से महिला आरक्षण को लेकर चर्चा हुई और उसके बाद जब-जब चुनाव आया है। महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है, महिलाओं ने उसे माफ नहीं किया है। 2024 के चुनाव में ऐसा नहीं हुआ, ऐसा इसलिए नहीं हुआ ▶8पर

शाह ने दक्षिण की भ्रांति तोड़ी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर लोकसभा में बोलते हुए कहा, एक सबसे बड़ा नैरेटिव खड़ा किया जा रहा है, भ्रांति फैलाई जा रही है कि यह जो तीन विधेयक हैं: संविधान संशोधन विधेयक और परिसीमन और संघ क्षेत्र के चुनाव के कानून में बदलाव का कानून, यह आने से लोकसभा में दक्षिण की क्षमता कम हो जाएगी और हमारे दक्षिण के राज्यों को बहुत बड़ा नुकसान होगा।

अमित शाह ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर लोकसभा में बोलते हुए कहा, आंध्र प्रदेश की 25 सीटें हैं, अब की स्थिति में उनका प्रतिशत प्रतिनिधित्व 4.60% है इसमें भी लगभग 50% वृद्धि होगी और सीटें हो जाएंगी 38... तेलंगाना में अभी 17 सीटें हैं और उनकी शक्ति 3.13% है, वृद्धि के बाद 26 सीटें हो जाएगी और 3.18% उनकी क्षमता हो जाएगी। मैं तमिलनाडु की जनता को भी आश्वस्त करता हूं कि आपकी शक्ति कम नहीं होगी बल्कि बढ़ेगी। अभी 39 सांसद तमिलनाडु से चुनकर आते हैं और उनकी क्षमता 7.18% है, वृद्धि के बाद सांसद 59 हो जाएंगे और नए सदन में क्षमता 7.23% हो जाएगी। तमिलनाडु को भी कोई नुकसान नहीं होगा। कर्नाटक में वर्तमान में 28 लोकसभा सीटें हैं और सदन में उनकी हिस्सेदारी 5.15 प्रतिशत है। परिसीमन के बाद कर्नाटक की लोकसभा सीटें बढ़कर 42 हो जाएंगी। इसके साथ ही लोकसभा में उनकी हिस्सेदारी भी 5.14 प्रतिशत हो जाएगी। कर्नाटक को कोई भी नुकसान नहीं होगा।

▶8पर

प्रियंका का शाह पर तंज, चाणक्य भी चकरा जाते

संसद के निचले सदन में गुरुवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और गृह मंत्री अमित शाह के बीच जुबानी जंग देखने को मिली। महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग के गठन से जुड़े तीन बिलों पर बहस में हिस्सा लेते हुए वायनाड से सांसद ने सीधे गृह मंत्री पर निशाना साधा।प्रियंका गांधी ने कहा, एक तरफ महिला आरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें हो रही हैं, तो दूसरी तरफ ओबीसी वर्ग के अधिकार छीने जा रहे हैं। ▶8पर

सार्वजनिक सूचना

मैं, आशीष यादव (मोनू यादव) सुपुत्र : विष्णुलाल यादव, शंकर बाजार, बेगम बाजार निवासी आम जन हेतु यह सूचना प्रकाशित कर रहा हूँ कि दि. 15 अप्रैल 2026 को शाम में मेरी धर्मपत्नी: वैष्णवी यादव, उम्र 20 वर्ष, चूड़ी बाजार स्थित ब्यूटी पार्लर जाने के लिए घर से निकली थी, जो काफी देर तक वापिस नहीं लौटी, अनहोनी की आशंका को ध्यान में रखकर हमने रात 9 बजे स्थानीय पुलिस चौकी में एफआईआर नं. 68/2026 दर्ज करवाई...!

हमारे स्तर पर जाँच करने पर विश्वसनीय सूत्रों से जो तथ्य सामने आये उनसे यह जानकारी मिली है कि हमारे विवाह के पूर्व वैष्णवी का किसी अन्य के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था और उसी के साथ वैष्णवी के जाने का अनुमान लगाया जा रहा हैं, यदि वास्तव में ऐसा है तो मैं आशीष यादव सार्वजनिक रूप से यह घोषणा कर रहा हूँ कि यह जानकारी मुझे विवाह के पूर्व से ही होती तो शायद मैं यह विवाह ही नही करता, होनी को कोई टाल नहीं सकता, मेरी ओर से इस विषय पर किसी तरह की कोई आपत्ति या विरोध नहीं है, न ही भविष्य में मेरा किसी भी तरह से कोई लेना-देना रहेगा, वो लोग जैसे रहे जहाँ भी रहे खुश रहें, यह उनका निजी निर्णय हैं, भविष्य में इस विषय पर किसी भी तरह की कोई अनहोनी घटना घटित होती है तो मैं या हमारे परिवार को उस प्रकरण में घसीटने का कोई कार्य न करें, हम कानून के दायरे में शांतिपूर्ण सुखमय मंगलमय जीवन व्यतीत करने के पक्षधर है, तथा सभी सुखमय मंगलमय जीवनयापन करें परमात्मा से यही प्रार्थना करते हैं....!

आशीष (मोनू) यादव

Advt.

10 दिन और शांति के!

नयी दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच के जरिए बड़ा ऐलान किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा है कि इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिनों का सीजफायर हो गया है। ट्रंप ने कहा कि मेरी लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई है। इन दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई है कि शांति स्थापित करने के लिए वो औपचारिक रूप से 10 दिनों का सीजफायर शुरू करेंगे। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में कहा, मंगलवार को 34 सालों में पहली बार दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल वॉशिंगटन में हमारे विदेश मंत्री, मार्को रूबियो के साथ मिले। ▶8पर

हार्दिक बधाई

श्री रूपेश अग्रवाल
बसईवाले
(सुपुत्र : स्व. श्री महेशचंदजी अग्रवाल)
को
अग्रवाल समाज, तेलंगाना
के कार्यवाहक अध्यक्ष
मनोनीत होने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभकामनाओं सहित : शालीबंडा शाखा
रामकिशन अग्रवाल (अध्यक्ष), रामदेव अग्रवाल (उपाध्यक्ष),
पवन डोकानिया (सचिव), नवनीत अग्रवाल (संयुक्त सचिव),
उमेश अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), पंकज गोयनका (केएस सदस्य),
महावीर प्रसाद डोकानिया (भूतपूर्व अध्यक्ष)

तुर्किये में स्कूल में गोलीबारी, पांच और ने दम तोड़ा, अब तक नौ की मौत

अंकारा

तुर्किये के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक मिडिल स्कूल में बुधवार को हुई गोलीबारी में घायल 20 लोगों में पांच और लोगों ने दम तोड़ दिया। इस घटना में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई थी। घायलों में छह की हालत गंभीर है। यह जानकारी बुधवार को गृहमंत्री मुस्तफा सिफ्टसी ने दी।

मुस्तफा सिफ्टसी ने कहमनमारास शहर से जारी बयान में कहा, हमें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि नौ लोगों की मौत हो गई है। घायलों में से छह लोग फिलहाल इंटेंसिव केयर में हैं। इनमें से तीन की हालत अत्यधिक गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि ओनिकिसुबात जिले के आयसेल कैलिक मिडिल स्कूल में करीब 13 साल के एक छात्र ने अंधाधुंध गोलीबारी की। इस घटना से ठीक एक दिन पहले एक अन्य स्कूल में एक हमलावर ने 16 लोगों को घायल कर दिया था और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।

कहमनमारास के गवर्नर मुकर्रम उनलुअर ने बताया कि इस ताजा हमले में एक शिक्षक और तीन छात्रों की मौत हो गई। इस घटना के दौरान हमलावर की भी मौत हो गई। उनलुअर ने पत्रकारों को बताया, एक छात्र अपने बैग में बंदूकें लेकर स्कूल आया था। हमारा मानना है कि ये बंदूकें उसके पिता की थीं। वह दो क्लासरूम में घुसा और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे कई लोग घायल हो गए और कुछ की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि हमलावर ने पांच बंदूकों और सात मैगजीन का इस्तेमाल किया। उनलुअर ने बताया कि हमलावर आठवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता पुलिस अधिकारी हैं। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को सानलिउर्फा प्रांत के सिवेरेक जिले में एक पूर्व छात्र ने अपने पुराने हाईस्कूल में एक शाटगन से गोलीबारी की। इस घटना में 16 लोग घायल हो गए। पुलिस के पहुंचने पर उसने आत्महत्या कर ली।

राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने संसद में वादा किया कि स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना के संबंध में जिन लोगों की लापरवाही या गलती पाई जाएगी उनसे निश्चित रूप से जवाब मांगा जाएगा। एर्दोगन ने बताया कि मंगलवार के हमले के बाद पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और चार अधिकारियों को उनकी ड्यूटी से निलंबित कर दिया है। स्कूल को चार दिनों के लिए बंद करने का आदेश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि अब से पहले तुर्किये में स्कूलों में गोलीबारी की घटनाएं बहुत कम होती थीं। मई 2024 में इस्तांबुल में एक छात्र ने स्कूल से निकाले जाने के पांच महीने बाद एक निजी हाई स्कूल के प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

न्यूज़ ब्रीफ

नेपाल में 10 वर्ष से निष्क्रिय बैंक खाते होंगे सील, साढ़े 17 अरब रुपया जमा होगा सरकारी खजाने में

काठमांडू। नेपाल सरकार ने 10 वर्ष या उससे अधिक समय से निष्क्रिय पड़े बैंक खातों को सील करते हुए उसमें रहे में लगभग साढ़े 17 अरब रुपये सरकारी खाता में लाने का निर्देश दिया है। नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर विश्वनाथ पौडेल के अनुसार, इस वर्ष मार्च महीने के अंत तक निष्क्रिय खातों में कुल 1763 करोड़ रुपये जमा हैं। ऐसे खातों की संख्या 36 लाख 45 हजार 593 बताई गई है। पौडेल ने कहा कि सरकार ने इन सभी खातों को सील करते हुए इनमें जमा सभी रकम को सरकारी खाते में ले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बैंक तथा वित्तीय संस्थान संबंधी ऐन के अनुसार, लंबे समय से निष्क्रिय खातों का विवरण हर वर्ष राष्ट्र बैंक को भेजना अनिवार्य है। इसी प्रावधान के तहत आर्थिक वर्ष 2025/26 तक बैंकों द्वारा भेजे गए विवरण के अनुसार यह आंकड़ा सामने आया है। नई सरकार के गठन के बाद पहली मंत्रिपरिषद् बैठक में स्वीकृत शासकीय सुधार के 100 कार्यसूची के 78वें बिंदु में 10 वर्ष या उससे अधिक समय से निष्क्रिय बैंक खातों की राशि को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सरकारी कोष में लाने की बात कही गई है। गवर्नर पौडेल ने कहा इसी के तहत यह राशि बैंक खातों से सरकारी कोष में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, निष्क्रिय खातों में औसत जमा राशि लगभग 5 हजार रुपये है, जो आम नागरिक के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। अब 10 वर्ष से पुराने खातों की राशि को सरकारी कोष में लाने के निर्णय के बाद लोगों में यह चिंता बढ़ गई है कि कहीं यह राशि जब्त तो नहीं हो जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र ने ईरान के लिए 100 करोड़ रुपये की मानवीय सहायता मंजूर की

न्यूयार्क/तेहरान। संयुक्त राष्ट्र ने युद्ध प्रभावित ईरान के लिए 12 मिलियन डालर (करीब 100 करोड़

रुपये) की आपात मानवीय सहायता जारी करने की घोषणा की है। यह सहायता देश में बिगड़ते हालात और नागरिकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख टाम फ्लेचर ने बताया कि करीब 40 दिनों तक चले संघर्ष के कारण हजारों नागरिकों की मौत हुई है, जबकि बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा स्वास्थ्य, पानी और बिजली जैसी जरूरी सेवाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह फंड विभिन्न साझेदार संगठनों के जरिए जमीनी स्तर पर राहत कार्यों को तेज करने में मदद करेगा। इसके तहत प्रभावित लोगों तक भोजन, चिकित्सा सहायता, स्वच्छ पानी और अन्य जरूरी सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, मौजूदा हालात में बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं और उन्हें तत्काल सहायता की जरूरत है। ऐसे में यह आर्थिक मदद जीवन रक्षक साबित हो सकती है।

ओली और रमेश लेखक के खिलाफ हत्या से जुड़े मामले की जांच के लिए नए दिशा-निर्देश जारी

काठमांडू। जिला अदालत काठमांडू में नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश

लेखक के खिलाफ हत्या से जुड़े मामले की जांच के लिए पुलिस को चार बिंदुओं वाला कार्यादेश दिया है। जिला सरकारी वकील कार्यालय के अनुसार, उच्चतम न्यायालय के आदेश पर ओली और लेखक पिछले एक हफ्ते से हाजिरी जमानत पर बाहर हैं। हालांकि उनके खिलाफ जांच की प्रक्रिया अभी भी चल रही है। दोनों को जरूरत पड़ने पर पुलिस के सामने उपस्थित होने और जांच में सहयोग करने की शर्त पर रिहा किया गया है। इनकी रिहाई के बावजूद मामले की जांच न रोकने के लिए सरकारी वकील कार्यालय ने पुलिस को चार निर्देश दिए हैं। पहले निर्देश में कहा गया है कि 8 सितंबर 2025 को जेन जी आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं में मारे गए सभी व्यक्तियों के पोस्टमार्टम संबंधित दस्तावेज संलग्न किए जाएं। इसके अलावा, 8 सितंबर 2025 की घटना के प्रत्यक्षदर्शियों की पहचान कर उनके बयान दर्ज करने का निर्देश भी दिया गया है। तीसरे बिंदु में घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज को साक्ष्य के रूप में शामिल करने को कहा गया है। इस दौरान अगर नए तथ्य आते हैं तो आरोपितों के अतिरिक्त बयान लेने का निर्देश दिया गया है। ओली और लेखक की रिहाई पूरक बयान के लिए उपस्थित होने की शर्त पर की गई है। जिला प्रहरी परिसर काठमांडू के प्रवक्ता एसपी पवन कुमार भट्टराई के अनुसार, अदालत और सरकारी वकील कार्यालय के निर्देशों के अनुसार दोनों की रिहाई के बावजूद मामले की जांच जारी है। ओली और लेखक का प्रारंभिक बयान दर्ज किया जा चुका है। लेखक का बयान जिला सरकारी वकील कार्यालय काठमांडू में लिया गया।

दक्षिण कोरिया के स्कूल का लंच देख लोग रह गए दंग

सियोल

आमतौर पर स्कूलों में मिलने वाले भोजन की कल्पना में साधारण और पोषणरहित आहार ही आता है, लेकिन दक्षिण कोरिया ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वहां के स्कूलों का लंच देखकर लोग दंग रह गए हैं। सबसे खास बात यह है कि वहां की रसोई किसी आधुनिक लैब से कम नहीं दिखती, जहां स्टाफ पूरी सावधानी से मास्क और दस्ताने पहनकर, अत्यधिक स्वच्छ तरीके से भोजन तैयार करता है। सफाई के उच्च मानदंड बच्चों को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस सुपरहिट लंच प्लेट में सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि सेहत का पूरा ख्याल रखा जाता है। इसमें गरमागरम चावल या नूडल्स के साथ प्रोटीन के लिए मांस, मछली या टोफू शामिल होता है। साथ में ताजी सब्जियों का सलाद, गरमागरम सूप और कोरिया की मशहूर फर्मेंटेड गोभी से बनी डिश किमची इस थाली को न सिर्फ स्वादिष्ट, बल्कि अत्यधिक पौष्टिक बनाती है।

खाने की प्रस्तुति इतनी अच्छी होती है कि बच्चे बिना नखरे किए इसे बड़े चाव से खा लेते हैं। कई बार डेजर्ट में ताजे फल या आइसक्रीम भी दी जाती है, जो इस थाली को और भी खास बना देती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि हर भोजन संतुलित हो और बच्चों की दैनिक पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करे। दिलचस्प बात यह है कि जहां दुनियाभर में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है, वहीं दक्षिण कोरिया में यह दर काफी कम है। विशेषज्ञ इसका श्रेय स्कूलों में मिलने वाले साफ, संतुलित और पौष्टिक भोजन को देते हैं। कम तेल का उपयोग, ताजी सब्जियों की अधिकता और फर्मेंटेड खाद्य पदार्थ बच्चों की पाचन क्षमता और मानसिक विकास को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह व्यवस्था कोई नई नहीं है, बल्कि 1953 के बाद शुरू हुई थी और आज एक आदर्श माडल के रूप में वैश्विक स्तर पर देखी जाती है, जहां शिक्षा के साथ बच्चों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी जाती है। इस वीडियो पर भारतीय यूजर्स भी मजेदार और हैरान करने वाली प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई इसे 5-स्टार होटल के बुफे से तुलना कर रहा है तो कोई अपने बचपन के स्कूल के खाने को याद कर अफसोस जता रहा है। यह सिर्फ भोजन की बात नहीं, बल्कि एक राष्ट्र की अपने बच्चों के भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ईरान के बाद छुटकू से मालदीव ने अमेरिका को दिखाई आंखे, राजदूत को बिना मिले लौटना पड़ा

माले। वैश्विक राजनीति के बदलते दौर में कभी दुनिया का नेतृत्व करने वाले अमेरिका की साख पर अब सवाल उठने लगे हैं। ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात के बीच अब छोटे देश भी अमेरिका को कूटनीतिक चुनौती देने लगे हैं। इसका ताजा उदाहरण हिंद महासागर के छोटे से द्वीप देश मालदीव में देखने को मिला, जहां राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अमेरिकी राजदूत से मिलने तक से इनकार कर दिया। भारत में अमेरिका के राजदूत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी सलाहकार सर्जियो गोर को पिछले महीने मालदीव यात्रा के दौरान एक अप्रत्याशित कूटनीतिक अपमान का सामना करना पड़ा। 23 मार्च को माले पहुंचे सर्जियो गोर की राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक तय थी, लेकिन अंतिम समय पर इसे रद्द कर दिया गया। हालांकि गोर ने मालदीव के विदेश और रक्षा मंत्रियों से मुलाकात की, लेकिन शीर्ष स्तर पर संवाद नहीं हो सका। जब अमेरिकी पक्ष ने मुलाकात का समय दोबारा मांगा, तो मालदीव सरकार ने पर्दे के पीछे एक निजी बैठक का प्रस्ताव दिया, जिसे अमेरिकी राजदूत ने ठुकरा दिया और वे राष्ट्रपति से मिले बिना ही दिल्ली लौट आए। विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति मुइज्जू का यह कड़ा रुख अमेरिका और इजरायल की ईरान के प्रति नीतियों के विरोध का परिणाम है। मुइज्जू इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सैन्य नीतियों के कड़े आलोचक रहे हैं। इसके साथ ही, मालदीव की आंतरिक राजनीति में भी मुइज्जू घिरे हुए हैं। हाल ही में हुए स्थानीय नगरपालिका चुनाव में उनकी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है, जिसके बाद वे विदेशी कूटनीति के बजाय घरेलू मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का तर्क दे रहे हैं। मालदीव की आर्थिक स्थिति भी वर्तमान में बेहद नाजुक बनी हुई है। मुइज्जू सरकार ने भारत से 400 मिलियन डालर के कर्ज को चुकाने के लिए दो से तीन साल की मोहलत मांगी है। भारत पहले ही दो बार कर्ज चुकाने की अवधि को आगे बढ़ा चुका है। आर्थिक तंगी के बावजूद मुइज्जू के रणनीतिक फैसले चौंकाने वाले हैं। उन्होंने थिलाफुशी पोर्ट प्रोजेक्ट का पहला चरण भारत के बजाय एक चीनी कंपनी को सौंप दिया है, जबकि पहले इसे भारत को दिए जाने की चर्चा थी। यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि मालदीव न केवल अमेरिका बल्कि भारत के साथ भी अपने रिश्तों में तनाव और दूरी बढ़ा रहा है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में नए भू-राजनीतिक संकट का संकेत है।

पाकिस्तान में अस्पताल की लापरवाही से 331 बच्चे एचआईवी पाजिटिव हुए

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ताउंसा शहर में गंभीर स्वास्थ्य संकट सामने आया है, जहां अस्पताल की लापरवाही के कारण 331 बच्चे एचआईवी पाजिटिव हुए है। ये मामले नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच दर्ज हुए। इस घटना ने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जांच रिपोर्ट के अनुसार, टीएचक्यू ताउंसा अस्पताल में चिकित्सा मानकों का पालन नहीं किया गया था। जांच में सामने आया कि अस्पताल में सिरिंज का बार-बार इस्तेमाल हो रहा था और एक ही दवा की शीशी (मल्टी-डोज वायल) से कई बच्चों को इंजेक्शन दिए जा रहे थे। यह तरीका संक्रमण फैलने का बड़ा कारण बन सकता है। इस मामले का खुलासा 8 साल के बच्चे मोहम्मद अमीन की मौत के बाद हुआ। उसकी बहन असमा भी एचआईवी पाजिटिव मिली है। बच्चों की मां का आरोप है कि अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई के कारण उनके बच्चों को एचआईवी हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार, भले ही नई सुई लगा दी जाए, लेकिन सिरिंज का पिछला हिस्सा वायरस को एक मरीज से दूसरे में पहुंचा सकता है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ इस मामले को बेहद खतरनाक बताया। जांच में सामने आया कि 66 बार अस्पताल स्टाफ ने बिना स्टरलाइज्ड ग्लव्स के इंजेक्शन लगाए। एक नर्स को बिना ग्लव्स के मेडिकल वेस्ट बाक्स में हाथ डालते हुए भी देखा गया। यह संक्रमण नियंत्रण के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। हालांकि, अस्पताल के नए मेडिकल सुपरिटेंडेंट ने इन आरोपों को खारिज कर कहा कि वीडियो पुराना या नकली हो सकता है। इस आउटब्रेक की पहचान सबसे पहले एक निजी क्लिनिक के डाक्टर ने थी। उन्होंने बताया कि एचआईवी पाजिटिव बच्चों में से अधिकतर का इलाज इसी सरकारी अस्पताल में हुआ था। कई अभिभावकों ने भी सिरिंज के दोबारा इस्तेमाल की शिकायत की थी। डेटा के अनुसार, संक्रमित 97 बच्चों के परिवारों में केवल 4 माताएं एचआईवी पाजिटिव थीं।

अस्पताल में सिरिंज का बार-बार इस्तेमाल हो रहा

नेपाल में 100 से अधिक नए कानून लाने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल सरकार 100 से अधिक नए कानून बनाने और मौजूदा कानूनों में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए विषयों की पहचान का कार्य पूरा हो चुका है। सरकार के प्रवक्ता तथा शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल के मुताबिक कुल 103 नए कानूनों के विषय और संशोधन किए जाने वाले कानूनों की पहचान की गई है। उन्होंने बताया कि प्राथमिकता के आधार पर नए कानूनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् के कार्यालय सहित सभी 22 मंत्रालय काम कर रहे हैं। पोखरेल ने जानकारी दी है कि कानून निर्माण की रूपरेखा और विधायी प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी हुई हैं या नहीं, इसका निरीक्षण कानून, न्याय तथा संसदीय मामलों के मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। प्राथमिकता के आधार पर अन्य मंत्रालयों को कानून निर्माण के लिए निर्देश देने का काम भी यही मंत्रालय कर रहा है। 100 से अधिक नए कानूनों के निर्माण और संशोधन के लिए तैयार विषय सूची में से 40 से 45 विधेयकों को आगामी संघीय संसद के सत्र में पारित कराने की सरकार की तैयारी है।

विश्व बैंक की वाटर फारवर्ड पहल, एक अरब लोगों को सुरक्षित जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य

वाशिंगटन

विश्व बैंक ने वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। वाटर फारवर्ड नामक इस कार्यक्रम का उद्देश्य अगले चार वर्षों में एक अरब लोगों को सुरक्षित और विश्वसनीय जल उपलब्ध कराना है।

विश्व बैंक के अनुसार, इस पहल के तहत जल आपूर्ति प्रणाली को मजबूत करने के साथ-साथ सूखा और बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने की क्षमता बढ़ाई जाएगी। बैंक ने बताया कि वह अपनी वित्तीय सहायता और तकनीकी विशेषज्ञता के जरिए वर्ष 2030 तक लगभग 40 करोड़ लोगों तक बेहतर जल सेवाएं पहुंचाने में मदद करेगा, जबकि बाकी सहायता साझेदार संस्थानों के सहयोग से दी जाएगी।

इस कार्यक्रम में कई अंतरराष्ट्रीय संस्थान शामिल होंगे, जिनमें क्षेत्रीय विकास बैंक, अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए ओपेक फंड और न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसी संस्थाएं भी शामिल होंगी। हालांकि, इस पहल के लिए कुल निवेश राशि का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

विश्व बैंक ने कहा कि दुनिया की करीब आधी आबादी, यानी लगभग चार अरब लोग, जल संकट का सामना कर रहे हैं। इसके पीछे कमजोर नीतियां, अपर्याप्त नियम और वित्तीय रूप से अस्थिर जल आपूर्ति प्रणालियां मुख्य

कारण हैं, जो निवेश और सुधार की गति को धीमा करती हैं।

फिलहाल 14 देशों ने इस कार्यक्रम के तहत अपने जल क्षेत्र में सुधार करने और इसे मजबूत बनाने का संकल्प लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल बुनियादी ढांचे के बजाय शासन व्यवस्था और प्रबंधन सुधार पर ध्यान देना इस पहल की खासियत है। विशेषज्ञ डेविड मिशेल ने इसे सकारात्मक कदम बताया, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि इस योजना को लागू करने में कई चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

विश्व बैंक का मानना है कि मजबूत जल प्रणाली न केवल लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करती है, बल्कि आर्थिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन के लिए भी बेहद जरूरी है।

अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने के कारण गई भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थैरेपिस्ट की नौकरी

लंदन

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थैरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाला गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं सकी थीं। यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है।

कीतना ने अक्टूबर 2023 में हास्पिटल्स जाइन किया था। जाइनिंग के कुछ ही समय बाद सहकर्मियों को पता चला कि वे मरीजों और स्टाफ की अंग्रेजी ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। स्पीच थैरेपिस्ट होने के बावजूद उन्हें उच्चारण, व्याकरण और बातचीत समझने में समस्या थी। अंततः जून 2024 में उनकी सेवाएं समाप्त की गई। आवेदन में कीर्तना ने अंग्रेजी को अपनी पहली भाषा बताया था, लेकिन बाद में रिव्यू मीटिंग में स्वीकार किया कि उनकी मातृभाषा तेलुगु है। बाद में दिसंबर में

उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं।

इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी फर्स्ट लैंग्वेज बताया था। जबकि फार्म के नियमों के अनुसार, फर्स्ट लैंग्वेज वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता है। कीर्तना के मैनेजर ने बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बाक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। कीर्तना के इस व्यवहार को असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त की गई। कीर्तना ने फैसले को चुनौती देकर कहा कि उनकी पढ़ाई अंग्रेजी में हुई है, इसलिए उनकी पहली भाषा माना जाना चाहिए। लेकिन पैनल ने इस तर्क को नहीं माना। पैनल का कहना था कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए गलत जानकारी दी और यह धोखा देने की कोशिश थी। इसके बाद उन्हें रजिस्टर से हटा दिया गया। आवेदन फार्म में साफ लिखा होता है कि क्या अंग्रेजी आपकी पहली भाषा है इसका जवाब हां तभी देना चाहिए, जब अंग्रेजी आपकी रोजमर्रा की मुख्य भाषा हो।

दक्षिण अफ्रीका में 10 से 14 साल की बच्चियां बन रही हैं मां

ब्लोमफोंटेन। दक्षिण अफ्रीका से मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाएं सामने आ रही है। इस देश में हृदयविदारक सच्चाई सामने आई है, जहां बडी संख्या में नाबालिग बच्चियां गर्भ धारण करने का मजबूर है। यहां 10 से 14 साल की नाबालिग बच्चियां मां बन रही हैं, और यह दृश्य अस्पतालों में चौंकाने वाला रूप से सामान्य हो चला है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में 10 से 14 साल की उम्र की 2,103 लड़कियों ने बच्चों को जन्म दिया। कुल मिलाकर, 19 साल से कम उम्र की 98,351 लड़कियों ने प्रसव कराया, जिनमें यह सबसे छोटी आयु वर्ग भी शामिल था। 2024-25 के आंकड़ों में तो कुल 1,17,195 लड़कियां 10-19 साल की उम्र में मां बनीं, जिनमें 1,400 से अधिक बच्चियां 10-14 साल की थीं। पूर्वी केप और क्वाजुलु-नटाल प्रांतों में यह समस्या सबसे गंभीर है, जहां अप्रैल से जुलाई 2025 के बीच अकेले पूर्वी केप में 117 लड़कियां 10-14 साल की उम्र में मां बनीं। ये आंकड़े सिर्फ दर्ज किए गए जन्मों के हैं; वास्तव में कई गर्भधारण या तो समाप्त हो जाते हैं या रिपोर्ट ही नहीं होते, जिससे समस्या की वास्तविक भयावहता और भी अधिक हो सकती है। विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि 10-14 साल की उम्र में गर्भावस्था लगभग हमेशा यौन शोषण या क़ानूनी बलात्कार का मामला होता है, क्योंकि इस उम्र में बच्चों की सहमति कानूनी रूप से वैध नहीं मानी जा सकती। इस गंभीर संकट के पीछे कई जटिल कारण हैं। गरीबी और सामाजिक असमानता इसकी जड़ में हैं, जहां बच्चियां अक्सर बेहतर विकल्पों के अभाव में शोषण का शिकार हो जाती हैं। शिक्षा की कमी और स्कूल ड्रापआउट दरें लड़कियों को असुरक्षित बनाती हैं, क्योंकि शिक्षा उन्हें सशक्त बनाने और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा।आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी ज़रूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतेहैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।आज का डिनर बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से हो रही परेशानी दूर होगी। परिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेगें। पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा। आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगी। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है। व्यर्थ के खर्चे को रोकने जरूरत हैं नही तो समस्याएं बढते रहेगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश मे हैं तो घर से निलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले कार्य सिद्ध होगा। किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी। अपने रिश्ते में ग़लतफ़हमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेगा। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कामकाज से समय मिलने पर परिवार के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा। आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिलेगी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने मे ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करने करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी। बोलते हुए सावधान रहें ढ किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है। कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष मे वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे। रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं। परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी तबियत ठीक रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रुप मे धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आरधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दे। आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेंगे राजनीति क्षेत्र मे पद प्रतिष्ठा बढेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार मे किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे। आज दिन भर थकान महसूस कर होगी। किसी को निजी बातें न बताए। अनजान लोगों से सावधान रहें है। परिवार के साथ घूमने जाएं, बच्चों से बातचीत करें। सुख–समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढाई नही करनी चाहिए

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरिदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं मे बढोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी। आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं।दफ्तर में किसे से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राह्मणों को दूध जलेबी का भोजन कराए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सम्भव हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेगी। जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहे। धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतों का हो सकता हैं। किसी के झगड़े मे जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें। अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा। संतान पक्ष से मनमुटाव को हो सकता है। आवेश मे आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 अप्रैल 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या सायं 05:24 तक
नक्षत्र : रेवती दोपहर 12:03 तक
योग : वैधृति प्रातः 07:21 तक
करण : चतुष्पाद प्रातः 06:52 तक
चन्द्रराशि : मीन दोपहर 12:03 तक
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य अमावस्या , श्रीशुकदेव जयंती , सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 05:59 से दोपहर 12:03 तक , गण्डमूल चालू है , पंचक समाप्त दोपहर 12:03 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

केंद्रीय समिति बैठक की सूचना पर गंभीर आपत्ति दर्ज

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के मानद मंत्री विकाश कुमार केशान ने एक महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए समाज के सभी सदस्यों एवं आम जनता को सूचित किया है कि हाल ही में जारी की गई केंद्रीय समिति बैठक की सूचना पर गंभीर आपत्ति दर्ज की जाती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) में वर्तमान अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव (नो कॉन्फिडेन्स मोशन) सर्वसम्मति से पारित हो चुका है तथा इसकी सूचना सोसाइटी ऑफ रजिस्ट्रार में एवं गवर्नमेंट के अलग अलग जगहों में ईमेल के माध्यम से सूचना दे दी गई है।

ऐसी स्थिति में अध्यक्ष द्वारा या उनके नाम से किसी भी प्रकार की बैठक आयोजित करना पूर्णतः अवैधानिक एवं नियमों के विरुद्ध है।

इसके बावजूद 18 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित केंद्रीय समिति की बैठक आयोजित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो समाज के संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन है।

मानद मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि यह बैठक आयोजित की जाती है, तो उसमें लिए गए सभी निर्णय पूर्णतः अवैध (नल एंड व्याड) माने जाएंगे और उनका समाज पर कोई भी वैधानिक प्रभाव नहीं होगा।

इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा समाज के डिजिटल क्रेडेंशियल्स (जैसे वेबसाइट, ईमेल, सोशल मीडिया आदि) के साथ छेड़छाड़ की जा रही है तथा बिना अनुमति पासवर्ड बदले जा रहे हैं। यह न केवल अनुचित है बल्कि समाज की सुरक्षा, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के लिए भी गंभीर खतरा है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ समाज के हितों के विरुद्ध हैं और इससे संगठन की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। ऐसे कृत्यों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अंत में विकाश कुमार केशन ने समाज के सभी सदस्यों से अपील की है कि वे किसी भी अवैधानिक बैठक या निर्णय का समर्थन न करें तथा समाज के संविधान और नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

अग्रवाल समाज विवाद पर सुझाव

आगे आओ-समाज बचाओ

बंधुओं,

यह अत्यंत पीड़ादायक है कि जिस अग्रवाल समाज की पहचान सेवा, त्याग और परोपकार से होती थी, आज उसी समाज की छवि निरंतर धूमिल होती जा रही है। मंचों पर मर्यादा का उल्लंघन और कुर्सी के लिए खींचतान ने समाज को विखंडन के कगार पर ला दिया है।

बहुत हुआ।

अब मौन रहना समाज के प्रति अन्याय ही नहीं कायरता होगी।

समय की माँग है कि हम निर्णायक कदम उठाएं। मेरा विनम्र प्रस्ताव है कि समाज के संस्थापक अध्यक्ष, आदरणीय श्री शरद जी पित्ती के संरक्षण एवं अगुवाई में तत्काल एक निष्पक्ष एडहॉक कमेटी का गठन कर सारे अधिकार उन्हें सौंप दिये जाएं।

ताकि यह समिति:

1. वर्तमान विवादों का निष्पक्ष समाधान निकाले
2. समाज को पारदर्शी और सेवा–भाव आधारित संविधान की ओर ले जाए
3. नई पीढ़ी में अग्रसेन जी के सिद्धांतों का पुनर्जागरण करे
4. पारदर्शिता से चुनाव करवा कर नये पदाधिकारियों को नियुक्त करें ख

मुझे पूर्ण विश्वास है कि श्री शरद जी पित्ती का अनुभव, उनकी निष्पक्षता और समाज के प्रति निष्ठा ही हमें इस संकट से बाहर निकाल सकती है।

मैं आप सभी प्रबुद्ध स्वजनों से आग्रह करता हूँ कि इस प्रस्ताव पर अपना अमूल्य मत दें। आपका समर्थन ही समाज को गौरव के पथ पर ले जा सकता है।

–संजीव कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष,
अशोकनगर शाखा

अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा द्वारा अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता और कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र गोयल के नेतृत्व में आस्था और समर्थन में शाखा के पदाधिकारीयों द्वारा हस्ताक्षरीत पत्र और समाचार पत्रों में शाखा द्वारा रुपेश अग्रवाल को बधाई संदेश के अनधिकृत विज्ञापन के प्रकाशन का विरोध करते हुए खंडन पत्र सौंपते हुए केएस सदस्य संजय गोयल भालवाले, मंत्री अशोक जालान, सह मंत्री अंकुर बंसल, परामर्शदाता योगेश जैन और कार्यकारिणी सदस्य श्याम अग्रवाल और सुनिल कुमार संघी।

अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा की कार्यकारिणी बैठक आज

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा की कार्यकारिणी बैठक आगामी आज दि. 17 अप्रैल को रात्रि 8:00 बजे होटल राजधानी में आयोजित की जा रही है। बैठक में समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श किया जाएगा।

बैठक की कार्यसूची के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष के स्वागत भाषण से होगी, जिसके पश्चात गत बैठक के अंशों का अनुमोदन किया जाएगा।

इसके अलावा कोषाध्यक्ष द्वारा वर्ष 2025–26 के आय–व्यय का लेखा प्रस्तुत कर उसे पारित कराया जाएगा।

बैठक में साधारण सभा के आयोजन पर चर्चा के साथ ही अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति में चल रही गतिविधियों एवं घटनाओं पर भी विचार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अन्य विषयों पर भी अध्यक्ष की अनुमति से चर्चा की जाएगी तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया जाएगा।

शाखा अध्यक्ष जितेंद्र मित्तल ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से बैठक में समय पर उपस्थित होकर सक्रिय सहभागिता निभाने और इसे सफल बनाने का आग्रह किया है।

सिंगरेनी ओसीपी में तापमान 44 डिग्री तक पहुँचा

मंचेरीयाल, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरीयाल जिले में तापमान में अचानक वृद्धि के कारण भूमिगत खदानें और सतही खदानें आग की लपटों जैसी हो गई है श्रीरामपुर क्षेत्र में पिछले चार दिनों से 41 से 44 डिग्री सेल्सियस का उच्चतम तापमान दर्ज किया गया है सिंगरेनी के श्रमिकों को चिलचिलाती धूप और लू के कारण कार्यस्थलों पर गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है आरोप है कि प्रबंधन श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा है मंचेरियाल जिले में स्थित सिंगारेनी कोयला खदानें, जयपुर विद्युत स्टेशन, सिरेमिक और सीमेंट उद्योग वाले क्षेत्रों में भीषण गर्मी पड़ रही है यहां की सतही खदानें 60 से 160 मीटर की गहराई पर है प्रत्येक 40 मीटर की गहराई पर तापमान एक डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है इस कारण यहां सामान्य से दो से चार डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है जयपुर स्थित सिंगारेनी विद्युत स्टेशन साथ ही सतही खदानों में प्रयुक्त विस्फोटकों से निकलने वाला कार्बन उत्सर्जन और भारी मशीनों से निकलने वाली गर्मी भी उच्च तापमान में योगदान दे रही है सतही खदानों में काम करने वाले श्रमिकों को लू लगने से बचाने के लिए ठंडी छतरियां लगाई जानी चाहिए स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव किया जाना चाहिए ओआरएस पैकेट और दोपहर में छाछ उपलब्ध कराई जानी चाहिए दो ठंडे पानी के डिब्बे उपलब्ध कराए जाने चाहिए डंपर, फावड़े और अन्य भारी वाहनों, क्रशर कक्ष और प्री–वेबिंग कक्षों में एसी की सुविधा होनी चाहिए ठंडा पीने का पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए हेलमेट और कूलिंग जैकेट उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

घर–घर अग्रसेन संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा घर–घर अग्रसेन संकल्प अभियान का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर पूजा–अर्चना की और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समाज के मीडिया एवं प्रेस चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान की शुरुआत पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ की गई। कार्यक्रम में गोपाल अग्रवाल (चेयरमैन, घर–घर अग्रसेन संकल्प अभियान), आशीष अग्रवाल, पंकज अग्रवाल (वाइस चेयरमैन) सहित अग्रवाल समाज रामनगर शाखा के राजेश अग्रवाल (उपाध्यक्ष), वेणुगोपाल अग्रवाल (मानद मंत्री), संतोष टिबरेवाल (मंत्री), योगिन अग्रवाल, केशव अग्रवाल एवं मयंक अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित रहे। अग्रकुल महिला शाखा रामनगर ईस्ट से किरण अग्रवाल (केंद्रीय समिति सदस्य), सीमा अग्रवाल (मानद मंत्री), शशि टिबरेवाल (उपाध्यक्ष), अनीता अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), शिल्पा अग्रवाल एवं मोनिका अग्रवाल सहित अन्य सदस्याओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।सभी शाखाओं के अध्यक्षों एवं मानद मंत्रियों से निवेदन किया गया है कि जिन सदस्यों को महाराजा अग्रसेन की फोटो पूजा हेतु आवश्यक हो, वे इस अभियान के चेयरमैन गोपाल अग्रवाल से संपर्क कर सकते हैं।

यह अभियान समाज में एकता, संस्कार एवं सेवा भाव को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जनजातीय विकास के लिए एकीकृत रणनीतियाँ समय की आवश्यकता, राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

उटनूर(आदिलाबाद), 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजकीय डिग्री कॉलेज, उटनूर में ''जनजातीय विकास की पुनर्कल्पना: सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए एकीकृत रणनीतियाँ'' विषय पर आयोजित दो–दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य समापन हुआ। 15 और 16 अप्रैल को आयोजित इस सम्मेलन में देश भर के विशेषज्ञों ने जनजातीय समुदायों के उत्थान के लिए विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि जनजातीय क्षेत्रों का विकास केवल आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें उनकी सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरणीय संतुलन का संरक्षण भी शामिल होना चाहिए। दो दिनों तक चले इस सत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए नई रणनीतियों का खाका तैयार किया गया। सम्मेलन ने शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को एक साझा मंच प्रदान किया ताकि वे धरातल पर जनजातीय समस्याओं के स्थायी समाधान खोज सकें।

इस अवसर पर राजकीय डिग्री कॉलेज, भैंसा (जिला निर्मल) में हिंदी विभाग के सह–प्राध्यापक के रूप में कार्यरत डॉ. पवन कुमार को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित और गौरवान्वित किया गया।

विकास लक्ष्य को लेकर सभी मिलकर कार्य करें: कुमार दीपक

मंचेरीयाल, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि जनकल्याण और विकास कार्यों को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ मिलकर काम करना चाहिए। गुरुवार को चेन्नूर मंडल मुख्यालय में आयोजित प्रजा पालन प्रगति प्रणालिक 99 दिवसीय कार्यक्रम में उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की।

कलेक्टर ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि धान खरीद केंद्रों के माध्यम से किसानों की उपज खरीदी जा रही है तथा उत्तम किस्म के धान पर बोनस भी दिया जा रहा है। इंदिरम्मा आवास योजना के तहत जिले में लगभग 3500 मकान स्लैब स्तर तक पूरे हो चुके हैं, जबकि पात्र लाभार्थियों को नए मकान स्वीकृत करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि पेंशन, राशन कार्ड, कल्याण लक्ष्मी जैसी योजनाओं के आवेदनों की जांच कर पात्र लोगों को लाभ दिया जाएगा। चेनूर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू होने के लिए तैयार है, वहीं 100 बेड के सरकारी अस्पताल का निर्माण अंतिम चरण में है।

कलेक्टर ने बताया कि सरकारी स्कूलों में इस वर्ष विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नगर में आंतरिक सड़कों, नालों और सोलर स्ट्रीट लाइट्स का विकास भी किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को पेट्रोल पंप, सोलर प्लांट समेत विभिन्न व्यवसायों में अवसर दिए जा रहे हैं। इसके बाद कलेक्टर ने पुलिस विभाग के अराइव अलाइव सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में भाग लिया और लोगों को हेलमेट व सीट बेल्ट पहनने तथा यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई।

क्या आप जानते हैं, घर के मुख्यद्वार के सामने कौन से पेड हो कौनसे नहीं

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में छोटे-छोटे और कुछ विशेष पेड पौधों को लगाना अच्छा माना जाता है तुलसी और बेंबु, मनीप्लांट, अपराजिता, जैसे कई पौधे हैं जिन्हे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे पेड़ या पौधे भी होते है जिसे घर के सामने होना अच्छा नहीं माना जाता है। कई घरों के मुख्य द्वार के सामने कैक्टस के छोटे पौधे लगा देते हैं, चाँदनी बेल या मनीप्लांट लगा देते हैं, जिससे मुख्य द्वार में अवरोध पैदा हो जाता है।

इस प्रकार के घर में भी बाधा का कारण बनता है। मुख्य द्वार के सामने या अंदर की ओर कोई नुकीली चीज हो तो वहाँ रहने वालों को कोई न कोई बाधा आती रहेगी। इसी प्रकार यदि घर के सामने बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर लगा हो तो आपके यहाँ अच्छी ऊर्जा आने के बजाय निगेटिव ऊर्जा आएगी, जिसके कारण उस घर में रहने वाले लोगों को मानसिक तनाव होगा। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा।

पूर्व में पीपल का पेड नहीं होना चाहिए। अकारण भय व धन की हानि होती है। आग्नेय में अनार का पेड अति शुभ परिणाम देने वाला होता है। दक्षिण में गुलर का पेड शुभ रहेगा। नैऋत्य में इमली शुभ रहती है। दक्षिण नैऋत्य में जामुन और कदंब का पेड शुभ रहता है। उत्तर में पाकड का पेड लगाना ठीक रहेगा। ईशान में आँवला का पेड अति फलदायी रहता है। ईशान-पूर्व में आम का पेड शुभ रहता है। इस प्रकार हम पेड लगाकर शुभाशुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य द्वार के सामने कोई रास्ता द्वार की ओर जा रहा हो तब भी बाधा का कारण बनता है। ग्रह स्वामी की अकाल मृत्यु हो सकती है। घर के सामने बडा वृक्ष रहे तो वहाँ रहने वालों की प्रगति में बाधा का कारण बनता है। यदि उस वृक्ष की छाँव घर पर पडती हो तो नुकसानप्रद रहता है। जबकि उसकी छाया कहीं से भी मकान पर नहीं पडती हो तो हानि नहीं होगी। कई जगह बंगलों में या घरों के सामने लंबे अशोक वृक्ष लगा दिए जाते हैं, जिससे घर में आड सी हो जाती है। यहाँ भी घर में रहने वालों की प्रगति के मार्ग में बाधा का कारण बनता है। जहाँ तक हो सके मुख्य द्वार को बाधा से रहित ही रखना चाहिए।

जब किस्मत साथ न दे तो सुख सौभाग्य प्राप्ति को करें यह उपाय

घर में स्थापित देवी- देवताओं को रोज फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि फूल ताजे ही हो। सच्चे मन से देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।

घर को साफ-स्वच्छ रखें- प्रतिदिन सुबह झाड़ू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाड़ू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और साधक को आर्थिक हानि का सामना करना पड सकता है।

कोशिशों के बाद भी आप किसी काम में बार-बार असफल हो रहे हैं या मेहनत के अनुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किस्मत या भाग्य का साथ न होने की बात कही जाती है। ज्यादा धन या पैसा कमाने के लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरूरी है अन्यथा इस मनोकामना की पूर्ति होना असंभव सा ही है। ज्योतिष में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से दुर्भाग्य पीछा छोड देता है और भाग्य साथ देने लगता है। जब किस्मत साथ न दे तो करें यह उपाय इस छोटे से उपाय द्वारा बदकिस्मत लोगों की भी किस्मत साथ देने लगेगी ।

यदि आपको भी पूरी मेहनत के बाद उचित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो प्रतिदिन सूखे आटे में थोडी सी हल्दी मिलाकर गाय को खिलाएं। ऐसा नियमित रूप से प्रतिदिन करें। गाय को सभी शास्त्रों के अनुसार पूजनीय एवं पवित्र माना गया है। गाय में ही सभी देवी-देवताओं का वास है और इसकी पूजा करने से भक्त को भाग्य का साथ मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गौमाता को संतुष्ट करनेपरवे सेवक को सेवाके प्रतिफल में आशीर्वादस्वरूपसभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। गाय को सूखे आटे में हल्दी मिलाकर खिलाने से वे अतिप्रसन्न होती हैं। हमेशा अच्छे कर्म करो, अपने धर्म का पालन करो किस्मत के बारे मे तो मे हर मनुष्य थोडी बहुत जानकारी रखता है, कहते हैं जब हम कडे परिश्रम करने के बाद सफलता प्राप्त करते है तो वह हमारे कर्म है लेकिन जब हम बिना मेहनत के बावजूद सफलता प्राप्त करते हैं उसे किस्मत कहते है। ब्रहम बेला में उठ कर इश्वर का नाम, ध्यान, योग और पूजा करने से अकस्मात् लाभ होता है। सूर्योदय से पूर्व ब्रहमा बेला में उठे, और अपने दोनों हांथो की हंथेली को रगरे और हंथेली को देख कर अपने मुंह पर फेरे, क्योंकि :- शास्त्रों में कहा गया है की कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थिता गौरी, मंगलं करदर्शनम् ॥ हमारे हाथ के अग्र भाग में लक्ष्मी, तथा हाथ के मूल मे सरस्वती का वास है अर्थात भगवान ने हमारे हाथों में इतनी ताकत दे रखी है, जिसके बल पर हम धन अर्थात लक्ष्मी अर्जित करतें हैं। जिसके बल पर हम विद्या सरस्वती प्राप्त करतें हैं इतना ही नहीं सरस्वती तथा लक्ष्मी जो हम अर्जित करते हैं, उनका समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभू स्वयं हाथ के मध्य में बैठे हैं। ऐसे में क्यों न सुबह अपनें हाथ के दर्शन कर प्रभू की दी हुई ताकत का लाभ उठायें।। भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी में से पहली रोटी गाय को दें। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का निवास माना गया है। अगर प्रतिदिन गाय को रोटी दी जाए तो सभी देवता प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूरी करते हैं। प्रतिदिन चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप कर्मों का क्षय होगा और पुण्य कर्म उदय होंगे। यही पुण्य कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

नवग्रहों की अद्भुत शक्तियां

नवग्रहों में अद्भुत शक्तियां है जिसके कारण इसे देवताओं के समान आदर दिया गया है। यह दवा की भांति व्यक्तियों को पीडा से उबारने में सक्षम होता है। इनमें कमजोर ग्रहों को बलवान बनाने की क्षमता होती है जिससे असंभव को भी संभव करने में भी राशि रत्न कारगर होते हैं।

पुखराज की ज्योतिषीय विशेषता

बृहस्पति ग्रह का रत्न पुखराज पीली आभा लिये होता है। यह गहरा पीला, हल्का पीला एवं सफेद भी होता है। छूने में ठोस, चिकना, चमकीला, दाग धब्बा रहित पुखराज उत्तम होता है। दूध में रात भर रखने से असली पुखराज क्षीण नहीं होता है और न ही इसका रंग फीका होता है। पुखराज धारण करने से पहले अच्छी तरह जांच परख लेना चाहिए कि रत्न दोष रहित हो।

पुखराज धारण करने से लाभ

जिस व्यक्ति की कुण्डली में बृहस्पति नीच का होता है अथवा कमजोर होता है उनके लिए पुखराज धारण करना लाभप्रद होता है। पुखराज अध्यात्म, सत्यता, लनशीलता और सजगता का प्रतीक होता है। प्रेमियो के लिए यह भाग्यशाली रत्न माना जाता है। मानसिक शांति एवं आत्मिक शांति के लिए भी यह रत्न लाभकारी होता है। इस रत्न को धारण करने से वाणी सम्बन्धी दोष एवं गले की पीडा से राहत मिलती है। प्राचीन यूनान में इसे अपोलो देवता द्वारा प्रदान किया गया माना जाता था जिसका उपयोग कई प्रकार के रोगों के ईलाज के लिए किया जाता था। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जिस कन्या की शादी में बार बार बाधा आ रही हो वह अगर पुखराज धारण करती हैं तो विवाह में बाधक तत्व का अंत होता है और जल्दी शादी होती है।

हीरा की ज्योतिषीय विशेषता हीरा संसार का सबसे कठोर रत्न है। इसे किसी भी अन्य रत्न से खरोंचा नहीं जा सकता। हीरा जितना कठोर व चमकीला होता है उतना ही अच्छा माना जाता है। यह मुख्यत: सफेद, पीला , लाल, गुलाबी और काला होता है। मान्यताओं के अनुसार संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं को हीरा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र इस मान्यता को नही स्वीकार करता है। ज्योतिषशास्त्र के नियमानुसार जो स्त्री त्रिकोण हीरा धारण करती हैं उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।

हीरा धारण करने से लाभ

हीरा शुक्र का रत्न है। तुला और वृषभ राशि वाले अगर इस रत्न को धारण करते हैं तो उनका शुक्र मजबूत होता है फलत: शुक्र से सम्बन्धित सभी क्षेत्रो में उन्हें लाभ मिलता है। जिनकी कुण्डली में शुक्र कमजोर अथवा मंदा है उन्हें भी हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। हीरा की विशेषता है कि इसे धारण करने वाला व्यक्ति साहसी, बुद्धिमान और उत्साही होता है। हीरा कई प्रकार के मानसिक रोगों में लाभकारी होता है। यह जहर काटने में भी सक्षम होता है। हीरा धारण करने वाले पर जादू टोने का प्रभाव नहीं होता है। रंग के अनुसार हीरा का अलग अलग प्रभाव होता है जैसे लाल और पीला हीरा राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित व्यक्तियो के लिए लाभप्रद होता है। सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुडे हुए लोगों के लिए सफेद हीरा उत्तम होता है।

मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए कीजिए यह व्रत

मां ललिता

महाविद्याओं में से एक हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मां ललिता का व्रत किया जाता है। इस व्रत को उपांग ललिता व्रत कहा जाता है। यह व्रत करने पर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष उपांग ललिता व्रत 17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन है।

मां ललिता की उत्पतिः

उपांग ललिता मां शक्ति का स्वरूप हैं। मां ललिता की उत्पत्ति तब हुई जब ब्रहमा जी द्वारा छोडे गये चक्र से पाताल समाप्त होने लगा तब इस स्थिति से विचलित होकर ऋषि-मुनि भी परेशान हो गए और संपूर्ण पृथ्वी धीरे-धीरे जलमग्न होने लगी है।तब सभी ऋषि माता ललिता देवी की उपासना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी जी प्रकट होती हैं तथा इस विनाशकारी चक्र को थाम लेती हैं। सृष्टि पुन: नवजीवन को पाती है।

मां ललिता का स्वरूपः

कालिकापुराण के अनुसार देवी की दो भुजाएं हैं, यह गौर वर्ण की, रक्तिम कमल पर विराजित हैं। ललिता देवी की पूजा से समृद्धि की प्राप्त होती है। दक्षिणमार्गी शाक्तों के मतानुसार देवी ललिता को चण्डी का स्थान प्राप्त है। इनकी पूजा पद्धति देवीचण्डी के समान ही की जाती है।

व्रत का महत्वः

उपांग ललिता व्रत करने से मां उपांग ललिता का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक मान्यतानुसारइसदिन देवीललिता ने एक दानव लियाथा इसदिन भक्तगण षोडषोपचार विधि से मां ललिता का पूजन करते है। इस दिन मां ललिता के साथ साथ स्कंदमाता और शिव शंकर की भी शास्त्रानुसार पूजा की जाती है। ऐसे करें पूजन: शक्तिस्वरूपा देवी ललिता को समर्पित उपांग ललिता पंचमी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष को पंचम नवरात्र के दिन मनाई जाती है। इस शुभ दिन भक्तगण व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं, यह दिन उपांग ललिता व्रत के नाम से जाना जाता है।

कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है।

धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुडी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय विताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घडा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की द्क्षिण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचस्वरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।

क्यों लेना पडा भगवान विष्णु को वामन रूप में जन्म

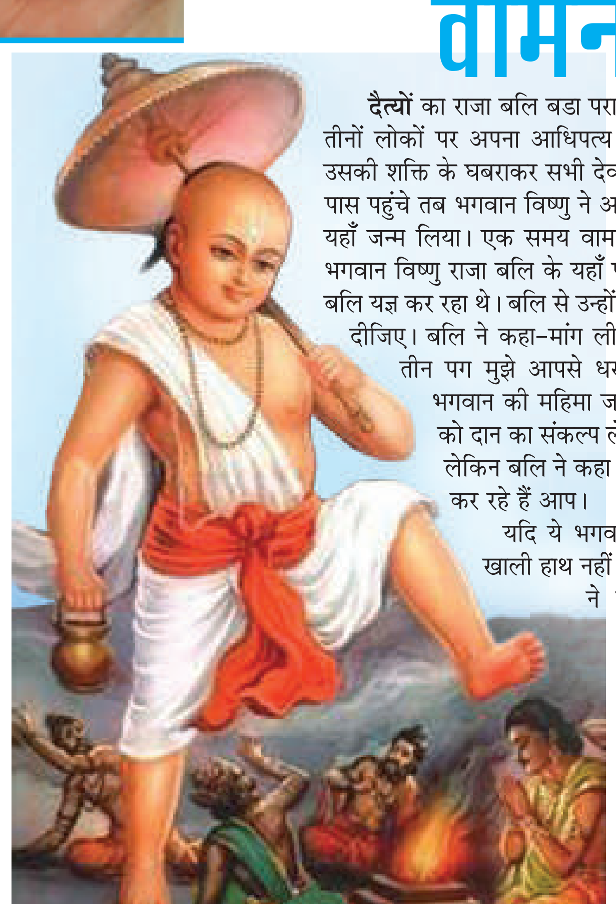

दैत्यों का राजा बलि बडा पराक्रमी राजा था। उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसकी शक्ति के घबराकर सभी देवता भगवान वामन के पास पहुंचे तब भगवान विष्णु ने अदिति और कश्यप के यहाँ जन्म लिया। एक समय वामन रूप में विराजमान भगवान विष्णु राजा बलि के यहाँ पहुचे उस समय राजा बलि यज्ञ कर रहा थे। बलि से उन्होंने कहा राजा मुझे दान दीजिए। बलि ने कहा-मांग लीजिए। वामन ने कहा तीन पग मुझे आपसे धरती चाहिए। दैत्यगुरु भगवान की महिमा जान गए। उन्होंने बलि को दान का संकल्प लेने से मना कर दिया। लेकिन बलि ने कहा - गुरुजी ये क्या बात कर रहे हैं आप।

यदि ये भगवान हैं तो भी मैं इन्हें खाली हाथ नहीं जाने दे सकता। बलि ने संकल्प ले लिया। भगवान वामन ने अपने विराट स्वरूप से एक पग में बलि का राज्य नाप लिया, एक पैर से स्वर्ग का राज नाप लिया। बलि के पास कुछ भी नहीं बचा। तब भगवान ने कहा तीसरा पग कहां रखूं। बलि ने कहा- -मेरे मस्तक पर रख दीजिए। जैसे ही भगवान ने उसके ऊपर पग धरा राजा बलि पाताल में चले गए। भगवान ने बलि को पाताल का राजा बना दिया। सतयुग में दैत्यराज प्रहाद के पोत्र बलि ने स्वर्ग में अधिकार कर लिया था। सभी देवता इस विपत्ति से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु के पास गए।

तब भगवान विष्णु ने देवताओ से कहा की में स्वयं देवमाता अदिति के गर्भ से जन्म लेकर तुम्हे स्वर्ग का राज्य दिलाऊंगा। कुछ समय पश्चात भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में जन्म लिया। इधर दैत्यराज बलि ने अपने गुरु शुक्राचार्य और मुनियो के साथ दीर्घकाल तक चलने वाले यज्ञ का आयोजन किया।

बलि के इस महायज्ञ में ब्रहमचारी वामन जी भी गए। वे अपनी मुस्कान से सब लोगो के मन मोह लेते थे। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपो बल से वामन के रूप में अवतरित भगवान विष्णु को पहचान लिया। उन्होंने बलि को बताया की तुम्हारी राजलक्ष्मी का अपरहण करने भगवान विष्णु वामनरूपी अवतार में आये है। गुरुदेव की बातो को सुन कर राजा बलि ने कहा हे गुरुदेव आप क्यों धर्म विरोधी वचन कह रहे है, भगवान विष्णु स्वयं मुझ से दान मांगने आये है इस से बढकर और क्या हो सकता है। मैं तो केवल भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए यह यज्ञ कर रहा हुँ। यदि भगवान विष्णु स्वयं पधारे है तो में कृतार्थ हो गया। तभी वामनजी बलि के यज्ञशाला में पधारे, उन्हें देख राजा बलि अपने दोनों हाथ जोड के उनके सामने खडे हो गए और कहा, हे प्रभु मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिये तब वामन भगवान ने उनसे तीन पग भूमि मांगी और कहा भूमिदान का महात्म्य महान है।

राजा बलि के गुरु शुक्राचार्य भगवान विष्णु की लीला समझ गए और उन्होंने राजा बलि को दान देने से मना किया। लेकिन फिर भी बलि ने भूमि दान के संकल्प के लिए कलश उठाया परन्तु गुरु शुक्राचार्य उस कलश में घुस गए। भगवान विष्णु यह जान गए की गुरु शुक्राचार्य कलश में घुसकर जल की धारा को रोक रहे है .अत: उन्होंने कुश के अग्र भाग को कलश के मुख में घुसेड दिया जिसने गुरु शुक्राचार्य की एक आँख को नष्ट कर दिया। पीडा से व्याकुल होकर गुरु शुक्राचार्य उस कलश से बाहर निकले।

तब बलिं ने तीन पग दान का संकल्प लिया। भगवान विष्णु ने विशाल रूप धारण कर पहले एक पग पूरी धरती को नाप लिया तथा अपने दूसरे पग में उन्होंने पुरे स्वर्गलोक को नापा। जब तीसरे पग के रखने के लिए कोई जगह नही बची तो बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। वामन भगवान ने उन्हें भय दिखाया की यदि तुमने अपना संकल्प पूरा नही किया तो ये अधर्म होगा। तब तीसरे पग के लिए अपने आप को समर्पित करते हुए राजा बलि ने अपना सर उनके पग के निचे रख लिया। वामन भगवान के तीसरा पग रखते ही बलि पाताललोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता को देख वामनरूप भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल का राजा बना दिया और इस तरह भगवान विष्णु ने इंद्र को स्वर्गलोक सोपा।

गर्मी आ गई है और दुनिया के कई इलाकों में पानी की समस्या शुरू हो गई है। पानी की कमी के कारण लोगों की जानें भी जा रही हैं। पिछले दिनों नन्ही बच्ची पानी भरते-भरते मर गई। डॉक्टरों ने बच्ची की मौत का कारण डीप हीट स्ट्रोक को माना है। 11 साल की बच्ची रोजाना तपती धूप में पानी भरती थी। उसका घर हैंडपंप से 400 मीटर दूर था। वो रोज 10 से ज्यादा बार पानी भरने जाती थी। उस दिन गर्मी ज्यादा थी या धूप, मालुम नहीं। लेकिन बच्ची हीट स्ट्रोक की शिकार हुई और पानी की आस में परिवारजनों से हमेशा के लिए दूर हो गई है।

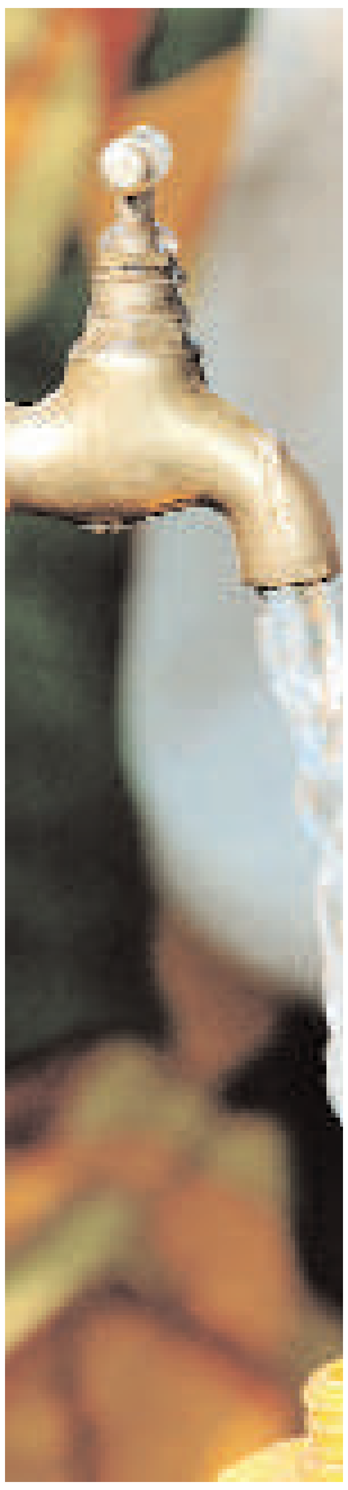

पानी की किल्लत होने पर इस तरह पूरी करें पानी की जरूरत

हीट स्ट्रोक

साल दर साल नए रिकॉर्ड तोड़ रही गर्मी ने इस साल अप्रैल में ही तापमान 43 डिग्री सेल्सियस को पार कर लिया। ऐसे में बढ़ते तापमान और आ रही लोगों की मौत की खबरों के बीच जरूरी है कि आप भी हीट स्ट्रोक के खतरो को आब सामान्य तौर पर लेने के बजाय इसके खतरे को समझें और बचकर रहें।

इन इलाकों में समस्या

जल समस्या देश के कई इलाकों में देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के अलावा मध्यप्रदेश के भी जिलें सुखे की चपेट में है। दक्षिणी कर्नाटक के ग्रामीण इलाक पूरी तरह से सूख चुके हैं और वहां से दंगों की खबरें आ रही हैं। बारह महीने सदाबहार रहने वाले चेरापूंजी में भी पानी की समस्या सुनने को आ रही है। दिल्ली में पानी की समस्या तो गर्मी के शुरू होते ही शुरू हो जाती है। बिहार जैसे राज्य में जहां हर वर्ष बाढ़ आती है वो भी पानी की समस्याओं से जूझ रहा है।

जल समस्या

जल इंसानी जीवन का जरूरी अंग है। एक सामान्य इंसान को प्रतिदिन आठ ग्लास पानी पीने की जरूरत होती है। डेली इनटेक के अनुसार 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों को प्रति दिन 3.7 लीटर पानी पीना चाहिए और महिलाओं को 2.7 लीटर पानी पीना चाहिए। इसमें खाने और फलों में मौजूद पानी को भी शामिल किया गया है। लेकिन जब इतनी मात्रा में पानी नहीं मिल पाता तो शुरू होती है जल समस्या।

समस्या से निपटने के लिए ये करें

पानी का कम से कम इस्तेमाल करना जल-समस्या के निवारण का पहला कदम है। लेकिन बड़ा सवाल तो ये है

कि पानी का कम इस्तेमाल कितना करें। क्योंकि लोगों के पास जब तीन दिन में पानी आएगा तो वे कम इस्तेमाल करेंगे ही। तो फिर कम इस्तेमाल कैसे?

- कम इस्तेमाल करने की बात उन लोगों के लिए है जिनके पास पानी की उचित व्यवस्था है।
- नदियों, तलाबों, हैंडपंप औदि जल स्रोतों को कम से कम प्रदूषित करें।
- दवाईयों का छिड़काव- रोग-जनक सूक्ष्म जीव पानी में मिलकर पानी को प्रदूषित करते हैं। जिससे वो इंसान के पीने लायक नहीं होता। इस पानी को पीने से पेट की बीमारियां होती हैं। इससे बचने के लिए जलस्रोतों में दवाईयों का छिड़काव करें।
- जल की जांच करें- कई बार स्वच्छ जल भी बीमार कर देते हैं। दरअसल जल में अनेक प्रकार के खनिज तत्व, कार्बनिक, अकार्बनिक पदार्थ और गैसें घुली होती हैं जो कई बार अधिक मात्रा में इकट्ठी हो जाती हैं। जिससे पानी पीने लायक नहीं रहता।
- गंदगी का निपटान करें- घरों से निकले कचरे जैसे- नहाने, धोने, पोछा लगाने, सड़े फल, तरकारियों, साबुन और डिटर्जेंट आदि के कारण पानी प्रदुषित होता है।
- पानी बचाएं- पानी का कम से कम इस्तेमाल करें। बर्बाद बिल्कुल भी ना करें। साथ ही वर्षा के जल का संचयन

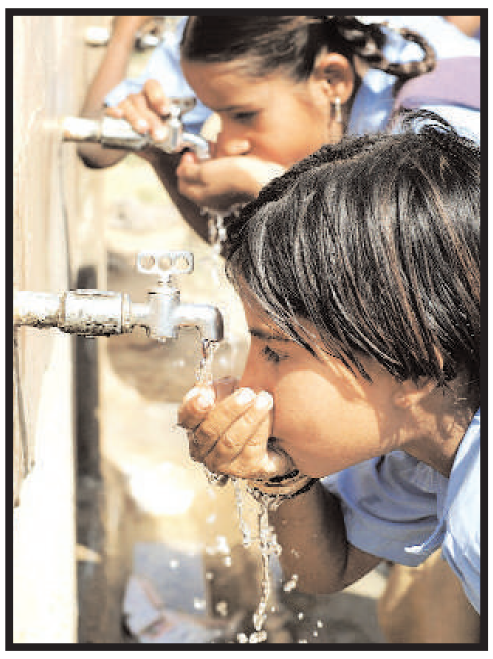

करें।

किल्लत में ये करें

- कम पानी पिएं।
- तला-भूना कम खाएं।
- अधिक से अधिक फल खाएं।
- नहाने के लिए ज्यादा पानी बर्बाद ना करें।
- कपड़ें धोने के पानी से ही घर को पोछें।
- अलग से घर धोने के लिए पानी का इस्तेमाल ना करें।

जब सहा न जाए दर्द

स्वस्थ और सेहतमंद रहने के लिए हम तमाम जतन करते हैं, लेकिन आज की जीवनशैली में कुछ बीमारियां, कुछ तकलीफें दबे पांव हमारे पास आ ही जाती हैं। ऐसी ही तकलीफों में शामिल है दर्द। कुछ दर्द तो ऐसे होते हैं, जो हमें छोड़ते ही नहीं। इन्हें डॉक्टरी भाषा में क्रॉनिक पेन कहा जाता है।

तमाम जतन के बाद भी कुछ दर्द ठहर जाते हैं। महीनों चले इलाज में हमें यह भ्रम जरूर होता है कि अब यह दर्द लौट कर नहीं आएगा, लेकिन तब तक दर्द अपनी नींव और मजबूत कर चुका होता है। दुनियाभर की दवाएं, इंजेक्शन, शारीरिक थैरेपी आदि कराने का कोई फायदा नहीं होता। डॉक्टरी भाषा में ऐसे दर्द को 'क्रॉनिक पेन' यानी स्थाई दर्द कहते हैं, जो समय के साथ जाता नहीं, रुक जाता है। एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक चार भारतीय महिलाओं में से एक और हर दस में एक पुरुष को कमर दर्द की समस्या है। हमारे देश में यह समस्या बहुत बड़ी है। लेकिन साथ निभाने वाली इस बीमारी का कोई तो इलाज होगा, कोई तो उपाय ऐसे होंगे, जिनकी सहायता से जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द को हमेशा के लिए अलविदा कहना आसान होगा। आज उन्हीं रास्तों के बारे में बात करते हैं।

दिमाग और दर्द

कई महीनों तक एक ही स्थान पर हो रहे दर्द के हम धीरे-धीरे आदी हो जाते हैं। इलाज होने के बाद भी हम उस जगह के दर्द को लेकर सचेत रहते हैं और हमें दर्द महसूस होने लगता है। मनोचिकित्सकों की मानें तो कभी-कभी वास्तव में दर्द न होते हुए भी हम किसी खास जगह पर दर्द महसूस करने लगते हैं। जिस तरह थकान न होने पर भी यदि हम ऐसा महसूस करें तो थकान महसूस होने लगती है।

जब सताए जोड़ों का दर्द

हम में से हर चौथा व्यक्ति जोड़ों के दर्द से परेशान है। तेज भागती जिन्दगी की रफ्तार के बीच दबे पांव यह कब आ जाता है, पता नहीं चलता। हड्डियों के विशेषज्ञ के मुताबिक जोड़ों के दर्द की शुरुआत में ही हमें सचेत हो जाना चाहिए। डॉक्टर के अनुसार शुरुआती दौर में ही यदि हम नियमित व्यायाम करें और उपचार कराएं तो दर्द से राहत मिल जाती है। लेकिन दर्द पुराना हो जाए तो उसे उपचार और व्यायाम से ठीक नहीं किया जा सकता। उसके लिए महंगी सर्जरी करानी पड़ सकती है। हालांकि सर्जरी सबसे आखिरी स्थिति है।

ऐसे रखें जोड़ों का खयाल

काम करने का तरीका बदलें: हम में से अधिकांश लोग कंप्यूटर के सामने घंटों काम करते हैं, लेकिन अपने बैठने के तरीकों पर ध्यान नहीं देते। कुर्सी पर बैठते हुए हमारी पीठ हमेशा सीधी होनी चाहिए। ध्यान रहे कि आपकी कुर्सी बहुत नीचे ना हो। इसके अलावा अगर आप काफी देर तक टाइप करते हैं तो अपनी अंगुलियों को थोड़ा आराम दें, क्योंकि काफी देर तक टाइपिंग की वजह से आपकी अंगुलियों में दर्द का ठहराव हो सकता है। अगर संभव हो तो अपने घुटनों को कमर से ऊपर रखें। इसके लिए आप पैरों के नीचे कुछ रख सकते हैं।

थोड़ा आराम भी है जरूरी: जोड़ों में दर्द खासकर कमर का दर्द लगातार काम करने की वजह से बढ़ जाता है, इसलिए शरीर को आराम देना भी उतना ही जरूरी है। हमारी हड्डियों की क्षमता की एक सीमा है। उससे ज्यादा समय तक काम करने पर हमारी हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, इसलिए इनका आराम करना भी उतना ही जरूरी है।

गुनगुने पानी में डुबो कर रखें: मांसपेशियों और हड्डियों को राहत देने में गुनगुना पानी कारगर साबित होता है। दिनभर के काम के बाद कुछ देर शरीर को गुनगुने पानी में डुबो कर रखें। इससे मांसपेशियों और हड्डियों में नई ऊर्जा का संचार होगा और दर्द से आराम मिलेगा।

योग और व्यायाम करें

हड्डियों को सपोर्ट देने वाली मांसपेशियों का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इसके लिए योग और व्यायाम की सहायता ली जा सकती है। योग और व्यायाम काफी हद तक हमें कई बीमारियों से दूर रखते हैं। इसके अलावा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाते हैं।

डॉक्टरी सलाह

- घुटनों में या दूसरे जोड़ों में बहुत दर्द हो तो उन पर ज्यादा जोर ना डालें, इससे स्थिति और खराब हो सकती है।
- किसी भी चमत्कारी दवा का इस्तेमाल ना करें। कई बार चमत्कारी दवा के नाम पर लोग धोखा करते हैं।
- खाने-पीने का खास ध्यान रखें और खाने में दूध और अंडे को शामिल करें।
- सिर्फ उसी व्यायाम या योग को आजमाएं, जिसमें जोड़ों पर बहुत ज्यादा जोर ना पड़ता हो।

हेल्दी खाएं

हड्डियों के लिए विटामिन डी और कैल्शियम सबसे उपयोगी माना जाता है। ठंडी जगहों में रहने वालों को तो सप्लिमेंट के तौर पर विटामिन डी जरूर लेना चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक हमारी हड्डियों के आसपास एक खास किस्म का तरल पदार्थ होता है, जिसकी वजह से वे घूमती और मुड़ती हैं। जैसे-जैसे यह तरल पदार्थ कम होता है, हड्डियों के बीच घर्षण बढ़ता है। इस तरह से हमारी हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और धीरे-धीरे घिसने लगती हैं। इसलिए इनका संतुलन बने रहना बहुत जरूरी है। इसके लिए डॉक्टर ओमेगा-3 फैटी एसिड लेने की सलाह देते हैं। मछली में यह भरपूर मात्र में पाया जाता है। विटामिन डी के लिए धूप और कैल्शियम के लिए दूध सबसे अच्छा स्रोत है।

ऐसे चलता है दर्द का चक्र

- दर्द शुरू होता है।
- आपकी सक्रियता कम हो जाती है।
- डॉक्टर के पास जाते हैं।
- टैस्ट कराते हैं और कई सारी दवाएं लेते हैं।
- दर्द में राहत मिलता है।
- आप ज्यादा काम करने की कोशिश करते हैं।
- पहले से ज्यादा दर्द महसूस करते हैं।
- सक्रियता और कम हो जाती है।
- बड़े ट्रीटमेंट की जरूरत पड़ती है।
- ताकत में कमी पाते हैं।

सहयोग ही है सबसे बड़ा इलाज

शुरुआती दौर में डिमेंशिया की स्थिति में परिवार रोगी की मनोदशा व स्थिति को उम्र का असर मान अनदेखा करता है। यह उपेक्षा सहन न करने के कारण रोगी विरोध का सा माहौल बना लेता है और इमोशनल ट्रॉमा की अवस्था बन जाती है। हालांकि ऐसे में न्यूरोलॉजिस्ट काउंसलिंग कराने की सलाह देते हैं। सबसे बड़ा और कारगर इलाज है घर वालों का सहयोग। जो रोगी है, वह अपनी मदद स्वयं नहीं कर सकता, लेकिन घर वाले जानें कि यह बीमारी है और उन्हें इसमें पूरा सहयोग कर न केवल रोगी की स्थिति सुधारने में मदद करें, बल्कि यहां-वहां घूम कर व्यर्थ पैसा व श्रम बेकार न करें। जितनी जल्दी यह रोग पहचाना जाए, उतना ही अच्छा है। समय पर इलाज कराने से रोगी की स्थिति नियंत्रण में रहेगी। इलाज के दौरान लगने वाला समय अत्यंत लंबा हो सकता है, इसलिए परेशान न हों। इस संबंध में सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी परिवारजनों की है, क्योंकि वे ही सबसे पहले स्वभाव में आए परिवर्तनों को देख पाते हैं। रोगी की सही देखरेख और आत्मीयता उसके लिए मददगार हो सकती है।

दिमागी कसरत है फायदेमंद

अल्जाइमर जैसे रोग को नियंत्रित करने के लिए व्यक्ति के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य का योगदान महत्वपूर्ण है। डॉक्टर इस बीमारी का इलाज भले ही न ढूंढ पाए हों, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि दिमागी कसरत इस बीमारी को दूर रख सकती है। नई भाषा सीखें, गेम, डांस, संगीत और खेलों में समय लगाएं।

डाइट जो अल्जाइमर पर रखे नियंत्रण

ब्रेकफास्ट महत्वपूर्ण है शोध बताते हैं कि सुबह का नाश्ता दिन भर की एनर्जी के लिए जरूरी है। हेल्दी नाश्ते से दिमाग को ईंधन मिलता है। इससे याददाश्त इंप्रूव होती है व एकाग्रता बढ़ती है। लेकिन ज्यादा कैलोरी वाला खाना आपको आलसी बनाता है और एकाग्रता में कमी लाता है।

चीनी कम

चीनी दिमाग को ईंधन देने का काम करती है, लेकिन टेबल शुगर नहीं, बल्कि खाने से मिला ग्लूकोज। तभी अत्यंत लो फील होने पर एक गिलास मीठा पेय आपको फुर्तीला बना देता है। एनर्जी बूस्टर का काम करता है कार्बोहाइड्रेट और शुगर। मधुमेह के शिकार हैं तो डाइटीशियन की सलाह लें।

मछली

प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है मछली। ओमेगा थ्री जैसा फायदेमंद ब्रेन टॉनिक और किसी में नहीं मिलता। यह ब्रेन फंक्शन के साथ स्ट्रोक के खतरे को भी

कम करती है। याददाश्त बढ़ाती है। हेल्दी ब्रेन व हार्ट के लिए सप्ताह में दो बार मछली खाएं।

नट्स

एंटीऑक्सीडेंट गुणों के साथ विटमिन ई भी इनमें मौजूद है। नट्स हमार शरीर में बी टाइप की कोशिकाओं का सृजन करते हैं, जो एंटीबॉडीज बना कर हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करती हैं। नट्स तनाव को झेलने की शक्ति भी देते हैं।

ब्ल्यू बेरीज है सुपर ब्रेन फूड

रिसर्च बताती हैं कि बेरीज में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स मस्तिष्क के लिए फायदेमंद हैं। यह फल फ्रीरेडिकल्स से होने वाले नुकसान से दिमाग को बचाता है, अल्जाइमर के खतरे को कम करता है। सीखने की क्षमता को बढ़ाता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

उम्मीदों का गलियारा

निस्संदेह दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। aहाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे- जो बांदीपुर, नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दर्शाते हैं कि कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास-मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है। हालांकि, इस राजमार्ग को लेकर कुछ चिंताएं अभी बाकी हैं। राजमार्ग को पूरा करने के दौरान अंतिम समय में निर्माण कार्यों में किए गए सुधार और इसमें पहले हुई कुछ देरी की रिपोर्टों से कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व समय सीमा के दबाव को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, किसी संरचना के बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन उद्घाटन की समय सीमा से नहीं बल्कि उसकी मजबूती, सुरक्षा उपायों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों के आधार पर ही होना चाहिए। अंततः यह एक्सप्रेसवे आशा और सावधानी दोनों का ही पर्याय है। निर्विवाद रूप से यह भारत की तेज और स्मार्ट निर्माण की महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। इसके साथ ही उच्च मानकों की कसौटी पर खरा उतरने और जवाबदेही की जरूरत को भी रेखांकित करता है। निर्विवाद रूप से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की वास्तविक सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि यह पारिस्थितिक और संरचनात्मक गुणवत्ता से समझौता किए बिना दक्षता को बनाये रखे। इसके अलावा पर्वतीय राज्य उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता और पर्यटन के दबाव से भूगर्भीय संवेदनशीलता की भी रक्षा हो। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से भूस्खलन व पर्यटकों का दबाव झेल रहे हिमालयी राज्यों में पर्यटन प्रकृति व स्थानीय संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। आने वाले दिनों में दिल्ली-देहरादून राजमार्ग उत्तराखंड की चारधाम यात्रा को भी गति देगा, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से विस्तार होना निश्चित है। वहीं चीन से मिलने वाली किसी चुनौती से निपटने में सेना की गतिशीलता, रसद व सैन्य आपूर्ति में भी यह राजमार्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है।

राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है।

राजनीतिक विश्लेषण यदि हम इस प्रश्न की जड़ों में जाएँ, तो असमान प्रतिनिधित्व की समस्या नई नहीं है

नारी शक्ति वन्दन अधिनियमः प्रतिनिधित्व और क्रियान्वयन की चुनौती

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

भारतीय समाज में नारी सदैव आदरणीय रही है किन्तु यह भी एक कटु सत्य है कि इन आदर्शों के बावजूद वास्तविक सामाजिक और राजनीतिक जीवन में उसकी भागीदारी लम्बे समय तक सीमित रही है। यही विरोधाभास भारतीय लोकतन्त्र में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहाँ एक ओर संविधान ने समानता का अधिकार प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत बहुत कम बना रहा जबकि दुनिया के कई देशों जैसे बांग्लादेश (14%), पाकिस्तान (17%) औरनेपाल (33%) में महिलाओं के लिए संसद में आरक्षण है। इसी तरहरवांडा (30%), तंज़ानियाऔरयुगांडामें भी विशेष आरक्षण अथवा कोटा व्यवस्था लागू है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 (नारी शक्ति वन्दन अधिनियम) इस ऐतिहासिक असन्तुलन को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित पहल के रूप में सामने आया।

कामायनी के श्रद्धा सर्ग में जयशंकर प्रसाद ने नारी की चेतना को इंगित करते हुए लिखा है "नारी, तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास-रजत-नग-पग तल में, पीयूष-स्रोत सी बहा करो, जीवन के सुन्दर समतल में।" अर्थात्नारी केवल एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक है, जो अपने स्नेह, करुणा और संवेदनशीलता से जीवन को सुन्दर और सन्तुलित बनाती है। भारतीय समाज में नारी सदैव आदरणीय रही है किन्तु यह भी एक कटु सत्य है कि इन आदर्शों के बावजूद वास्तविक सामाजिक और राजनीतिक जीवन में उसकी भागीदारी लम्बे समय तक सीमित रही है। यही विरोधाभास भारतीय लोकतन्त्र में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहाँ एक ओर संविधान ने समानता का अधिकार प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत बहुत कम बना रहा जबकि दुनिया के कई देशों जैसे बांग्लादेश (14%), पाकिस्तान (17%) औरनेपाल (33%) में महिलाओं के लिए संसद में आरक्षण है। इसी तरहरवांडा (30%), तंज़ानियाऔरयुगांडामें भी विशेष आरक्षण अथवा कोटा व्यवस्था लागू है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 (नारी शक्ति वन्दन अधिनियम) इस ऐतिहासिक असन्तुलन को दूर करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित पहल के रूप में सामने आया। 28 सितम्बर 2023 को कानून बनने के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम विधानसभाओं के चुनाव हो चुके हैं फिर भी यह अपनी मूर्तता की बाट जोह रहा है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए सरकार 16–18 अप्रैल के मध्य संसद का विशेष सत्र बुला रही है, लेकिन सवाल यह है कि अब तक सरकार ने इस सन्दर्भ में प्रयास क्यों नही किया, सरकार की अग्रिम योजना क्या है और इस कानून के लागू हो जाने के बाद क्या बदलाव होगा, ये ऐसे गूढ़ प्रश्न हैं जिन्हे संवैधानिक और व्यावहारिक पहलुओं के आलोक में समझा जा सकता है। राजनीतिक विश्लेषण यदि हम इस प्रश्न की जड़ों में जाएँ, तो असमान प्रतिनिधित्व की समस्या नई नहीं है। संविधान सभा, जिसने स्वतन्त्र भारत के लोकतान्त्रिक ढाँचे की रचना की, उसमें भी महिलाओं की भागीदारी अत्यन्त सीमित थी, कुल सदस्यों में मात्र4–5 प्रतिशत (लगभग 15 महिलाएँ)। यह आँकड़ा दर्शाता है कि प्रारम्भिक स्तर पर ही महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति कम थी। इसके बावजूद, संविधान निर्माताओं ने समानता के आदर्शों को अत्यन्त महत्त्व दिया। अनुच्छेद 14विधि के समक्ष समानता औरअनुच्छेद 15लिंग के आधार पर भेदभाव के निषेध की बात करता है बावजूद इसके अनुच्छेद 15(3) में राज्य को महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति प्रदान की गई। स्पष्ट है कि संवैधानिक स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण की नींव मजबूत रखी गई थी लेकिन व्यवहारिक राजनीति में यह समानता परिलक्षित नहीं हो सकी। इस दिशा में पहला वास्तविक और प्रभावी हस्तक्षेप 1992–93 के 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से हुआ। इन संशोधनों ने पंचायतों और नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा देते हुए महिलाओं के लिए कम से कम 33% आरक्षण सुनिश्चित किया। कई राज्यों ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया (बिहार सबसे पहला राज्य है जिसने पंचायतों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण को बढ़ाकर50% किया, इसके बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों ने भी स्थानीय निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू किया)। इस प्रयोग ने न केवल महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाया बल्कि यह भी सिद्ध किया कि महिला नेतृत्व शासन को अधिक संवेदनशील, समावेशी और जनकल्याणकारी बना सकता है। यह अनुभव इस बात का ठोस प्रमाण था कि यदि अवसर मिले, तो महिलाएँ प्रभावी राजनीतिक भूमिका निभा सकती हैं। इसके बावजूद, संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण की राह आसान नहीं रही। 1990 के दशक से लेकर 2010 तक यह विधेयक बार-बार संसद में पेश किया गया1996, 1998, 1999, 2003 और 2008लेकिन हर बार यह राजनीतिक असहमति के कारण अटक गया। 2010 में राज्यसभा से पारित होने के बावजूद यह लोकसभा में पारित नहीं हो सका। इस विफलता के पीछे कई कारण थेसबसे प्रमुखOBC महिलाओं के लिए अलग उप-कोटा की मांग, पुरुष सांसदों का विरोध, और राजनीतिक दलों के बीच सहमति का अभाव। यह स्पष्ट करता है कि महिला प्रतिनिधित्व का प्रश्न केवल सामाजिक न्याय का नहीं, बल्कि सत्ता-साझेदारी का भी प्रश्न है। संवैधानिक व्यवस्था में पहले से ही प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के कुछ प्रावधान मौजूद हैं। अनुच्छेद 330 और 332 क्रमशः लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण सुनिश्चित करते हैं, जबकिअनुच्छेद 334इन आरक्षणों की समय-सीमा निर्धारित करता है। महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 (106 वां संशोधन) ने इसी ढाँचे को आगे बढ़ाते हुए संविधान मेंअनुच्छेद 330A, 332A और 334A जोड़कर महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान किया है,

हालाँकि, इस अधिनियम की सबसे बड़ी विशेषता और साथ ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी इसका क्रियान्वयन तन्त्र है। अधिनियम के अनुसार, यह आरक्षणजनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू होगा। इस प्रकार एक ओर जहाँ यह ऐतिहासिक कदम है, वहीं दूसरी ओर इसे लागू करने में अनावश्यक विलम्ब किया जा रहा है जिससे इसका प्रभाव कमजोर होने की सम्भावना है। अब सवाल यह है कि अब तक सरकार इसे लागू क्यों नहीं कर पायी है? इसके पीछे कारण है कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया लम्बित रही, जिससे क्रियान्वयन टलता गया; अब संशोधन के माध्यम से इसे 2029 से पहले लागू करने की तैयारी है। इसी कारण विशेष सत्र आहूत हो रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए इसमें संशोधन करने की योजना बनाई जा रही है ताकि इसे लम्बित जनगणना से अलग कर समय से लागू किया जा सके। प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की 543 सीटों को बढ़ा कर 816करने और उनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षितकरने का विचार है। यह आरक्षण वर्टिकल मॉडल पर आधारित होगा, जिसमें SC और ST श्रेणियों के भीतर भी महिलाओं को उप-आरक्षण मिलेगा। परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर करने का प्रस्ताव है। इसके लिए सरकार एक व्यापक विधायी पैकेज तैयार कर रही है, जिसमें संविधान संशोधन, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्रशासित प्रदेशों में आरक्षण लागू करने से जुड़े प्रावधान शामिल हैं। इन संशोधनों का उद्देश्य सीटों में वृद्धि कर महिलाओं के लिए स्थान सुनिश्चित करना है। वर्तमान व्यवस्था में देरी के कारण यह 2034 तक टल सकता था, जिसे सरकार अब 2029 तक लागू करना चाहती है। सरकार के अपने जो भी तर्क हों लेकिन उन पर राजनीति करने का आरोप लग सकता है, क्योंकि यदि परिसीमन 2011 के आंकड़ों पर आधारित होता है, तो वर्तमान जनसंख्या संरचना को पर्याप्त रूप से प्रतिबिम्बित नहीं किया जा सकेगा जिससे प्रतिनिधित्व में असन्तुलन उत्पन्न हो सकता है। विशेषकर दक्षिण भारत के राज्यों तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक के सापेक्ष प्रतिनिधित्व में कमी की आशंका है जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों का प्रभाव बढ़ सकता है। सारतः वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सरकार महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए संशोधन, सीट वृद्धि और 2011 आधारित परिसीमन जैसे कदम उठाकर प्रक्रिया को तेज करने का जो प्रयास है, वह राजनीतिक इच्छाशक्ति का संकेत है, किन्तु इसके साथ प्रतिनिधित्व के सन्तुलन और व्यापक सहमति की चुनौती भी जुड़ी हुई है। इस पहल को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक है कि प्रस्तावित संशोधनों को पारदर्शी तरीके से लागू किया जाए, परिसीमन में क्षेत्रीय सन्तुलन का ध्यान रखा जाए, सभी दलों को साथ लेकर सहमति बनाई जाए तथा क्रियान्वयन की स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की जाए ताकि 2029 तक महिला आरक्षण वास्तविक रूप में लागू हो सके।

देश दुनिया से

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकास की कुंजी

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसके प्राकृतिक संसाधनों, भौतिक विकास या आर्थिक प्रगति में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा व्यवस्था में निहित होती है। शिक्षा वह सुदृढ़ आधार है, जिस पर एक सशक्त, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण होता है। यह केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र, दृष्टिकोण और जीवन मूल्यों को आकार देने वाली सतत प्रक्रिया है। इसलिए यह उक्ति आज भी प्रासंगिक है कि किसी राष्ट्र का भविष्य उसके विद्यालयों और शिक्षकों में झलकता है। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का समावेश रहा है। गुरुकुल प्रणाली से लेकर आधुनिक शिक्षा व्यवस्था तक, शिक्षा ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया है। आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी क्रांति और सामाजिक परिवर्तन की गति तीव्र हो चुकी है, तब शिक्षा की भूमिका और अधिक व्यापक तथा बहुआयामी हो गई है। अब शिक्षा केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं, बल्कि नवाचार, आलोचनात्मक चिंतन और जीवन कौशल विकसित करने का माध्यम बन चुकी है। स्वतंत्रता के बाद हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल के अभियानों के बाद राज्य को 'पूर्ण साक्षर' घोषित किया जाना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। वर्तमान में प्रदेश की साक्षरता दर लगभग 99.30 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो राष्ट्रीय औसत (लगभग 77.80 प्रतिशत) से काफी अधिक है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सरकारी कार्यकुशलता का सुपरिणाम है। त्रिपुरा, मिजोरम और गोवा के बाद हिमाचल का इस श्रेणी में आना उसकी शैक्षिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हिमाचल प्रदेश में शिक्षा का विस्तार संस्थागत विकास के रूप में भी स्पष्ट दिखाई देता है। आईआईटी मंडी, एनआईटी हमीरपुर, एनआईएफटी कांगड़ा और सीएसआईआर पालमपुर जैसे संस्थानों ने हिमाचल को राष्ट्रीय शैक्षिक मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। इसी क्रम में 150 से अधिक सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया गया है। इस पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। चंबा के किलाड़ और मंडी के जंजैहली जैसे क्षेत्रों में छात्र नामांकन में 90 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। शिमला, किन्नौर, सिरमौर और लाहुल-स्पीति के विभिन्न स्कूलों में भी 20 से 50 प्रतिशत तक नामांकन बढ़ा है, जो सरकारी स्कूलों के प्रति बढ़ते विश्वास का संकेत है। गरली जैसे विद्यालयों में एक सप्ताह के भीतर 344 से अधिक छात्रों का प्रवेश इस परिवर्तन का सुखद उदाहरण है। प्रदेश सरकार ने शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 1 मार्च 2026 से स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने का निर्णय लिया है। यह स्पष्ट करता है कि जब सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता, संसाधन और भरोसे का वातावरण बनता है, तो अभिभावक निजी स्कूलों के बजाय सरकारी संस्थानों को प्राथमिकता देने लगते हैं। स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से शिक्षा को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। हालांकि इन उपलब्धियों के बावजूद कई गंभीर चुनौतियां भी सामने हैं। सबसे बड़ी समस्या शिक्षकों के रिक्त पदों की है। कई विद्यालय आज भी एक या दो शिक्षकों के सहारे संचालित हो रहे हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। शिक्षक-छात्र अनुपात को संतुलित करने के लिए त्वरित और प्रभावी नियुक्तियां आवश्यक हैं। कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों के विलय का निर्णय संसाधनों के बेहतर उपयोग की दृष्टि से तर्कसंगत है। संयुक्त परिवारों के विघटन और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के कारण बच्चों का मानसिक और सामाजिक विकास नई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में विद्यालय और शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षक प्रशिक्षण को अधिक व्यावहारिक, तकनीकी और मूल्य आधारित बनाना होगा। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों बारे शिक्षित करना आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। शिक्षा को परीक्षा केंद्रित दृष्टिकोण से निकालकर जीवन कौशल, रचनात्मकता और नैतिक मूल्यों से जोडना होगा। छात्रों को अच्छी संगति, व्यावहारिक जीवन कौशल, डिजिटल साक्षरता, मीडिया समझ और कौशल करियर शिक्षा से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। निजी स्कूलों की बढ़ती फीस भी एक गंभीर चिंता का विषय है, जो मध्यम वर्ग के लिए आर्थिक बोझ बनती जा रही है। यूनेस्को की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार विश्व भर में लगभग 27.3 करोड़ बच्चे और युवा अब भी शिक्षा से वंचित हैं, वहीं भारत की शिक्षा प्रणाली विश्व की सबसे बड़ी व्यवस्थाओं में गिनी जाती है, जो 14 लाख से अधिक विद्यालयों और करीब 1300 विश्वविद्यालयों के जरिए 24.69 करोड़ विद्यार्थियों तक पहुंच बनाती है, किंतु 65.3 फीसदी महाविद्यालयों का निजीकरण और शिक्षा पर मात्र 4 प्रतिशत सार्वजनिक व्यय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 6 प्रतिशत लक्ष्य से पीछे रहकर इसकी संरचनात्मक चुनौतियों को उजागर करता है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 28 अगस्त 2025 को जारी की गई नवीनतम एकीकृत जिला सूचना प्रणाली फॉर एजुकेशन प्लस (यूडीआईएसई) रिपोर्ट के अनुसार देश में अब 14.71 लाख से अधिक स्कूलों में 10122420 शिक्षक हैं, जो लगभग 23.29 करोड़ छात्र-छात्राओं को राष्ट्र निर्माण हेतु तैयार कर रहे हैं। इस बार केंद्रीय बजट 2026-27 में शिक्षा हेतु 1.39 लाख करोड़ आवंटन से एआई, स्किलिंग और डिजिटल शिक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है। 21वीं सदी शिक्षा का लक्ष्य तकनीकी दक्षता, मानसिक संतुलन, आलोचनात्मक सोच और समावेशी, कौशल-आधारित, आजीवन सीखने वाली पीढ़ी बनाना है। इसके लिए शिक्षा क्षेत्र के लिए आवश्यक निवेश और बजट का प्रावधान करने के साथ-साथ समर्पित, प्रशिक्षित और चरित्रवान शिक्षकों की जमात तैयार करनी होगी। यदि हम वास्तव में एक विकसित और सशक्त भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

शिक्षा वह सुदृढ़ आधार है, जिस पर एक सशक्त, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण होता है। यह केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र, दृष्टिकोण और जीवन मूल्यों को आकार देने वाली सतत प्रक्रिया है। इसलिए यह उक्ति आज भी प्रासंगिक है कि किसी राष्ट्र का भविष्य उसके विद्यालयों और शिक्षकों में झलकता है। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का समावेश रहा है।

आप का नज़रिया

बढ़ेगा गरीबी का दायरा

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी की पश्चिम एशिया युद्ध से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर करने वाली रिपोर्ट के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी में ईरान-अमेरिकी युद्ध से उपजी परिस्थितियों के चलते भारत में और 25 लाख लोग गरीबी की दलदल में फंस सकते हैं। साथ ही मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका पैदा हो गई है। रिपोर्ट इस बात का भी खुलासा करती है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि से एशिया प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से लोगों की घरेलू क्रयशक्ति घट रही है, जिससे खाद्य असुरक्षा भी बढ़ रही है। वहीं विकास कार्यों के लिए निर्धारित सरकारी बजट पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा आजीविका के अवसर कम हो रहे हैं। इस संकट में जहां पूरे विश्व में 88 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने की आशंका है, वहीं भारत में यह अनुमानित संख्या 25 लाख है। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया-प्रशांत में तकरीबन 299 अरब डॉलर तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी के सामने बढ़ने वाली गरीबों की संख्या छोटी है, लेकिन इससे भारत में गरीबी की दर बढ़ सकती है, जिसके 35.40 करोड़ होने की आशंका है। दरअसल, आज भी भारत करीब 90 फीसदी तेल जरूरतों के लिए आयात पर आश्रित है। हम कच्चे तेल का 40 फीसदी से अधिक और रसोई गैस का 90 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से करते हैं। साथ ही हम अपने उर्वरकों का 40 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त पश्चिमी एशिया से आयात करते हैं। एलएनजी की कीमतों में वृद्धि से कोयला आधारित बिजली पर हमारी निर्भरता बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर व्यापार व आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित हुई। आशंका है कि संघर्ष से रेमिटेंस में भी कमी आएगी। निस्संदेह, मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी की वजह से आयातित तेल आदि की कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे आयात मूल्य में वृद्धि व निर्यात का नुकसान बढ़ा है। असर हमारी खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। वहीं खाद की आपूर्ति में बाधा का असर खरीफ की फसल पर पड़ने की आशंका है। इस सब के चलते बढ़े दामों का प्रभाव आम आदमी की जेब पर हो रहा है, जिसका रोजगार और आय के मामले में असर बड़ी आबादी पर नजर आ रहा है। हाल ही में नोएडा और मानेसर में श्रमिक असंतोष को इसकी परिणति के रूप में महसूस किया जा सकता है। दरअसल, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। आर्थिक परेशानियों के चलते आम आदमी अब अपने जरूरी खर्चों में कटौती कर रहा है। वजह है उसकी आय के साधन सीमित होना। वहीं निम्न आय वर्ग के लोगों में इससे भरण-पोषण का संकट पैदा हो रहा है। श्रमिक असंतोष के बीच आक्रोश उभरा कि महंगाई के अनुपात में उनकी आमदनी नहीं बढ़ रही, फलतः जीवनयापन कठिन होता जा रहा है। सरकार की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया कि मार्च में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.4 हो गई है, जिसकी वजह पश्चिमी एशिया से उपजा संकट बताया जा रहा है। सवाल यह है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास सिरे क्यों नहीं चढ़ रहे हैं। यदि कदम प्रभावकारी हैं तो फिर महंगाई क्यों बढ़ रही है। वास्तव में खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि को महंगाई का मुख्य कारण बताया जा रहा है। यद्यपि सरकार की दलील है कि खुदरा महंगाई दर केंद्रीय बैंक की रेड लाइन चार फीसदी से नीचे है। लेकिन वास्तव में स्थिर आय के चलते महंगाई अधिक महसूस की जा रही है। लेकिन लोगों की चिंता यह है कि यदि पश्चिम एशिया संकट का शीघ्र समाधान नहीं निकलता है तो महंगाई की मार असहनीय हो सकती है। यदि समय रहते सरकार की तरफ से ठोस प्रयास किए जाते हैं तो महंगाई पर अंकुश लगाना संभव हो पायेगा।

ईरान-अमेरिकी युद्ध से उपजी परिस्थितियों के चलते भारत में और 25 लाख लोग गरीबी की दलदल में फंस सकते हैं। साथ ही मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका पैदा हो गई है। रिपोर्ट इस बात का भी खुलासा करती है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि से एशिया प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से लोगों की घरेलू क्रयशक्ति घट रही है, जिससे खाद्य असुरक्षा भी बढ़ रही है। वहीं विकास कार्यों के लिए निर्धारित सरकारी बजट पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा आजीविका के अवसर कम हो रहे हैं। इस संकट में जहां पूरे विश्व में 88 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने की आशंका है, वहीं भारत में यह अनुमानित संख्या 25 लाख है। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया-प्रशांत में तकरीबन 299 अरब डॉलर तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी के सामने बढ़ने वाली गरीबों की संख्या छोटी है, लेकिन इससे भारत में गरीबी की दर बढ़ सकती है, जिसके 35.40 करोड़ होने की आशंका है।

कुछ अलग

हमने जमाना बदल दिया

लीजिए इस बार फिर वही हुआ, जिसकी हमें उम्मीद भी न थी। उन्होंने कहा था, बहुत हो गया यह दकियानूसीपन। वही बात का बतंगड़ बनाना। वही बातूनी उपहारों के साथ उपलब्धियों के मिथ्या आंकड़े परोस देना। जेबें भरी होने का एहसास दे रहे वही ठनठन गोपाल। भविष्य के सुनहरे सपने दिखा कर न सहने योग्य वर्तमान पर कलई पोत देते हो। हमने स्वीकार कर लिया। हम बदलाव लाएंगे की लहर चली, और रंक राजा हो गए। रंकों का राजा हो जाना भली बात है भैय्या! आखिर राजा बनने की ठेकेदारी चंद हाथों में क्यों रहे? सपने साकार करने की इजारेदारी ऊंची इमारतों वालों के पास ही क्यों? राजा का बेटा राजा बने, ऐसा तो युगों से देखा था, लेकिन युग बदलने का दम भरने वालों की दुनिया में मजूर का बेटा मजूर ही नहीं, फटीचर बेकार्य हो जाए, ऐसी क्रांति को बतकही होते तो हमने पहली बार देखा आलीजाह! लीजिए हमने जमाना बदल दिया, हमारे नए नुमांइदों ने हमें कहा। नुमांइदे अब भी ऐसे कि जिनमें करोड़पतियों या लखपतियों से नीचे कोई भी नहीं था। उन सब लोगों के दामन पर लगभग कानून तोडने के धब्बे भी थे, लेकिन वे अपराधी नहीं हैं बरखुरदार्य, जानकारों ने हमें बताया। केवल आरोप लगने से ही कोई अपराधी नहीं हो जाता। पहले उनके अपराधी हो जाने का दंडनामा लाइये, फिर हम उनको शासकों की मजलिस से बाहर करेंगे। अब यह दंडनामा कैसे मिलता है, हमें कुछ खबर नहीं। तारीख पर तारीख कानून के दरबार में पेश होते रहो। भाग्य अच्छा रहा तो बेदाग बच निकलोगे। अच्छा न रहा तो कोर्ट से ऊपर की कोर्ट कहीं गई नहीं।

दृष्टि कोण

पर्यावरण के लिए गंभीर चेतावनी बनता डिजिटल प्रदूषण

जब हम 'प्रदूषण' शब्द सुनते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में जहरीला धुआं उगलती चिमनियां, प्लास्टिक से पटी नदियां या सड़कों पर लगा कचरे का ढेर उभरता है। ये प्रदूषण के वे रूप हैं जिन्हें हम देख सकते हैं और महसूस कर सकते हैं। लेकिन इक्कीसवीं सदी की डिजिटल क्रांति के साथ एक ऐसा अदृश्य जहर हमारे वातावरण और जीवन में घुल चुका है, जिसे हम देख नहीं सकते, सूंघ नहीं सकते, लेकिन वह धीरे-धीरे हमारे पर्यावरण और मानसिक स्वास्थ्य को खोखला कर रहा है। इसे हम 'डिजिटल प्रदूषण' कहते हैं। भारत जैसे देश में, जहां डिजिटल साक्षरता और कनेक्टिविटी चरम पर है और 'डिजिटल इंडिया' का सपना साकार हो रहा है, इस अदृश्य खतरे पर कानून, नीति और जनजागरूकता के नजरिये से चर्चा करना अनिवार्य हो गया है। लोग डिजिटल प्रदूषण को केवल 'ई-वेस्ट' यानी पुराने मोबाइल, टूटे लैपटॉप या खराब चार्जर तक सीमित मान लेते हैं। बेशक, ई-कचरा एक वैश्विक समस्या है, लेकिन डिजिटल प्रदूषण का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'अभौतिक' है। इंटरनेट पर हमारा हर क्लिक, सर्च और क्लाउड स्टोरेज बिजली की भारी खपत करता है, जो अधिकांशतः जीवाश्म ईंधन से आती है और कार्बन उत्सर्जन बढ़ाती है। जब हम डेटा इस्तेमाल करते हैं, तो हजारों मील दूर स्थित विशाल डेटा सेंटर्स सक्रिय हो जाते हैं, जिन्हें चलाने और ठंडा रखने के लिए अत्यधिक ऊर्जा और पानी की आवश्यकता होती है। अतः, डिजिटल गतिविधियों का सीधा और गहरा प्रभाव हमारे पर्यावरण पर पड़ता है। डिजिटल प्रदूषण के दो सबसे घातक पहलू 'डार्क डेटा' और 'डिजिटल फुटप्रिंट' हैं। 'डार्क डेटा' वह अनुपयोगी डेटा है जो कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा केवल स्टोर किया जाता है, जिसका दुनिया भर के कॉर्पोरेट डेटा में हिस्सा लगभग 52 प्रतिशत है। यह डेटा केंद्रों में व्यर्थ ऊर्जा की खपत करता है। वहीं, हमारा 'डिजिटल फुटप्रिंट' भी उतना ही खतरनाक है; एक स्पैम ईमेल अपने पूरे जीवनचक्र में लगभग 0.3 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड पैदा करने का जिम्मेदार है। यदि

हम दुनियाभर में प्रतिदिन भेजे जाने वाले अरबों स्पैम और अनावश्यक ईमेल की गणना करें, तो यह प्रदूषण का स्तर वैश्विक विमानन उद्योग द्वारा फैलाए जाने वाले कुल उत्सर्जन के बराबर पहुंच जाता है। यह तथ्य हमें सोचने पर मजबूर करता है कि हमारी एक छोटी-सी डिजिटल लापरवाही धरती के तापमान को बढ़ाने में कितनी बड़ी भूमिका निभा रही है। भारत में 'डिजिटल प्रदूषण' को सीधे तौर पर परिभाषित करने वाला कोई विशिष्ट या एकल कानून मौजूद नहीं है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (1986) और समय-समय पर संशोधित ई-कचरा प्रबंधन नियम (2016/2022) इसके केवल भौतिक हिस्से (हार्डवेयर कचरे) को कवर करते हैं। असली चुनौती डेटा केंद्रों से होने वाले ऊर्जा उत्सर्जन और 'डिजिटल हाइजीन' की है, जिसके लिए वर्तमान में स्पष्ट कानूनी दिशानिर्देशों की कमी खलती है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) की व्याख्या करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कई बार 'स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार' को एक मौलिक अधिकार के रूप में स्थापित किया है। यद्यपि ये मामले पारंपरिक औद्योगिक प्रदूषण से संबंधित थे, लेकिन इनमें स्थापित 'प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करेगा' और 'एहतियाती सिद्धांत' का दर्शन डिजिटल दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों पर भी समान रूप से लागू होना चाहिए। जो कंपनियां विशाल डेटा सेंटर चलाती हैं और करोड़ों भारतीयों का डेटा प्रोसेस करती हैं, वे डेटा की सुरक्षा के साथ-साथ अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकतीं।'

आईपीएल में वापसी के लिए तैयार पैट कमिंस, गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस को सिडनी में कराए गए ताजा स्कैन के बाद बिना किसी प्रतिबंध के गेंदबाजी करने की अनुमति मिल गई है, जिससे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनकी वापसी का रास्ता साफ हो गया है।

बुधवार को हुए स्कैन में यह पुष्टि हुई कि उनकी पीठ की स्ट्रेस इंजरी, जिसने पिछले साल अगस्त के बाद उन्हें सिर्फ एक पेशेवर मैच खेलने तक सीमित कर दिया था, अब पूरी तरह ठीक हो चुकी है।

आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज अब शुक्रवार को भारत लौटेंगे और आईपीएल के बाकी मैचों के लिए सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ेंगे, जहां वह अपने आस्ट्रेलियाई साथी ट्रैविस हेड के साथ खेलेंगे।

हालांकि सनराइजर्स इस सप्ताहांत चेन्नई सुपर किंग्स और अगले बुधवार दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ घरेलू मुकाबले खेलेगी, लेकिन कमिंस जल्दबाजी में वापसी नहीं करना चाहते। वह 25 अप्रैल को जयपुर में राजस्थान रायल्स के खिलाफ मैच में प्लेइंग इलेवन में लौटने का लक्ष्य बना रहे हैं।

कमिंस के टीम में लौटते ही कप्तानी भी उनके हाथों में वापस आने की संभावना है। उनकी अनुपस्थिति में टीम की कमान ईशान किशन संभाल रहे थे। फिलहाल टीम दो जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

कमिंस की वापसी उनकी योजना के अनुसार है, जिसमें वह टूर्नामेंट के दूसरे चरण और संभावित प्लेआफ मुकाबलों में हिस्सा लेना चाहते थे। इसके बाद आस्ट्रेलिया के लिए एक व्यस्त टेस्ट क्रिकेट कार्यक्रम शुरू होगा, जिसमें अगले 12 महीनों में लगभग 21 टेस्ट मैच खेले जा सकते हैं।

हाल ही में कमिंस ने तीनों फार्मेट में खेलने की अपनी इच्छा दोहराई है। उन्होंने कहा कि वह टेस्ट और वनडे कप्तान के रूप में महत्वपूर्ण सीरीज को प्राथमिकता देंगे और खुद को फिट रखने के लिए दो से तीन महीने का ब्रेक भी लेते रहेंगे। उन्होंने बिजनेस आफ स्पोर्ट पाडकास्ट में कहा, मैं अभी भी तीनों फार्मेट खेलना चाहता हूं और मुझे लगता है कि हम इसे संतुलित कर सकते हैं। मुझे टेस्ट क्रिकेट बेहद पसंद है। उम्मीद है कि अगले 3-5 साल तक मैं इसी तरह खेलता रहूं और टेस्ट क्रिकेट को छोड़ना न पड़े। आस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की सीरीज से शुरू होगा, जो डार्विन और मैके में खेली जाएगी। इसके बाद टीम दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट, घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट, फिर अगले साल जनवरी-फरवरी में भारत दौरे पर पांच टेस्ट खेलेगी। मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 150वीं वर्षगांठ टेस्ट और जून में लार्ड्स में संभावित वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल भी शामिल है, इसके बाद एशेज सीरीज के पांच टेस्ट मैच होंगे। करीब 4 मिलियन आस्ट्रेलियाई डालर के अपने आईपीएल कान्ट्रैक्ट को पूरा करना भी कमिंस के कार्यक्रम का अहम हिस्सा है। टीम के कोच डेनियल विटोरी ने उनकी फिटनेस को शानदार बताया है। विटोरी ने कहा, उनकी फिटनेस बेहतरीन रही है क्योंकि वह लंबे समय से मैदान से बाहर थे और इस दौरान उन्होंने अपनी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग पर काफी काम किया। गेंदबाजी के लिए खुद को पूरी तरह तैयार करना एक लंबी और मेहनत भरी प्रक्रिया होती है।

न्यूज ब्रीफ

आयुष म्हात्रे के खेल से प्रभावित हैं ब्रेविस

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने टीम के उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसका खेल लाजवाब है। ब्रेविस के अनुसार जिस प्रकार से आयुष निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं उसका कोई जवाब नहीं है। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज को खेलते देखने उन्हें काफी अच्छा लगता है। रविचंद्रन अश्विन और डेल स्टेन के साथ बातचीत के दौरान, ब्रेविस ने आयुष के धमाकेदार प्रदर्शन को लेकर ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि म्हात्रे एक अलग तरह के बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि वह युवा हैं और जिस तरह से चाहते हैं खेलते हैं। मेरा भी यही मानना है कि वह अपने अनुसार खेलें। साथ ही कहा कि आपके करियर में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं पर ये देखना शानदार है कि वह कैसे खेलते हैं। ब्रेविस की इस बात से साफ है कि आयुष के खले से उनकी टीम के साथी किस प्रकार से प्रभावित हैं। इसके अलावा, ब्रेविस ने कोलकाता के खिलाफ अपने स्वयं के प्रदर्शन और टीम की जीत पर भी खुशी जतायी। उन्होंने मैच के अनुभव को बेहतरीन बताया और कहा कि चेन्नई में दर्शकों की उत्साही भीड़ के सामने खेलना खास अनुभव रहा। ब्रेविस ने पिच की स्थिति पर भी बात की, यह स्वीकार करते हुए कि विकेट को समझने में कुछ समय लगा, क्योंकि यह पिछली रात की तुलना में थोड़ा अलग था। ब्रेविस ने कहा, मैदान पर डाइव लगाना, बल्ले से अच्छा स्विंग करना और बस उसे महसूस करना बहुत अच्छा था। उन्होंने अपनी फिटनेस और आत्मविश्वास को लेकर भी बताया और कहा कि मेरा मनोबल भी बढ़ गया है क्योंकि साइड स्ट्रेन के कारण बाहर रहना अच्छा नहीं था। लेकिन हां, मैं मजबूत महसूस कर रहा हूं और मुझे खुशी है कि हम जीत गए।

विराट बोले, मैं अभी भी पूरी तरह फिट नहीं

लखनऊ। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली का कहना है कि वह अभी भी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं आर उनके घुटने में सूजन बना हुआ है। विराट ने इसके बाद भी लखनऊ सुपर जाइंट्स के शानदार पारी खेली थी। इससे आरसीबी ने लखनऊ को 5 विकेट से हरा दिया था। मैच के बाद विराट से जब उनकी फिटने का लेकर पूछा गया तो उन्होंने माना है कि वह अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। कोहली ने कहा, मेरा घुटना हालांकि पिछले मैच की तुलना में काफी बेहतर है, लेकिन पूरी तरह ठीक नहीं हुआ है। पिछले मैच के दौरान घुटने में काफी सूजन थी। इतना ही नहीं, पिछले 4-5 दिनों से मेरी तबीयत भी सही नहीं थी और मैं स्वास्थ्य के लिहाज से भी अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। इन शारीरिक परेशानियों के बाद भी ने काफी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 49 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। कोहली को हालांकि इस बात का दुख है कि वह मैच समाप्त नहीं कर पाये। इस मैच में लखनऊ द्वारा दिए गए 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, आरसीबी के लिए कठिन पिच पर रन बनाना आसान नहीं था। ऐसे में विराट ने एक अलग रणनीति अपनाई। उन्होंने पिच की स्थिति को देखते हुए पावरप्ले का पूरा लाभ फायदा उठाया। कोहली ने अपनी पारी में 6 चौके और 1 शानदार लगाकर लखनऊ के गेंदबाजों को शुरुआती ओवरों में ही पीछ कर दिया। उनहोंने देवदत्त पडिक्कल 10 रन के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रनों की अहमम साझेदारी कर टीम की अच्छी शुरुआत की।

सीएसके ने दोसा इडली गाने को लेकर बीसीसीआई से आरसीबी की शिकायत की

बेंगलुरु। इंडियन पीमियर लीग (आईपीएल) में एक नया विवाद शुरु हो गया है। सीएसके ने इस माह की शुरुआत में 5 अप्रैल को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मैच में दोसा इडली गाने के जरिये राज्य का मजाक उड़ाने का आरोप रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर लगाया है। इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से इस मामले में शिकायत भी की है। अब देखना है कि बोर्ड इसपर क्या कदम उठाता है। अपनी शिकायत में सीएसके ने कहा कि है इस गाने से उनके प्रशंसकों की भावनाओं को ठेस लगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके ने कहा कि गाने में दोसा, इडली, सांभर, चटनी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था जबकि उनका मानना है कि यह उनके तमिलनाडु की पहचान का मजाक उड़ाने और उसे एक ही दायरे में सीमित करने का प्रयास था। सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा कि आमतौर पर डीजे घरेलू टीम का समर्थन करने के लिए होते हैं पर इसके विपरीत चिन्नास्वामी स्टेडियम में हमारे खिलाड़ियों के खिलाफ टिप्पणियां की गईं और इसी कारण हमने बीसीसीआई को इस मामले को एक पत्र भी लिखा है। गौरतलब है कि ये विवाद नया नहीं है। इसकी शुरुआत पिछले साल हुई थी।

क्विंटन डिकॉक के शतक के बाद भी हारी मुंबई इंडियंस
धमाकेदार जीत से पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पंजाब किंग्स

मुंबई: आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस को पंजाब किंग्स के खिलाफ क्विंटन डिकॉक का शतक भी जीत नहीं दिला पाया। वानखेड़े स्टेडियम पर पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से हराया। पहले बैटिंग करते हुए मुंबई ने 6 विकेट पर 195 रन बनाए। पंजाब की टीम ने 17वें ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स की 5 मैचों 9 पॉइंट हो गए हैं और टीम टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। श्रेयस अय्यर की टीम टूर्नामेंट में अभी तक अजेय है। मुंबई की 5 मैचों में चौथी हार है।

-इस सीजन जसप्रीत बुमराह अभी तक 5 मैच में एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं।

-पंजाब किंग्स मुंबई के खिलाफ सबसे ज्यादा 18 मैच जीतने वाली टीम बन गई हैं। सीएसके ने 18 मैचों में ही मुंबई को हराया है।

-196 रन मुंबई के खिलाफ चेज किया गया दूसरा सबसे बड़ा टारगेट है। पंजाब ने ही पिछले साल 204 चेज किए थे।

-पंजाब किंग्स वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ सबसे ज्यादा 6 मैच जीतने वाली टीम बन गई है।

खराब शुरुआत के बाद डिकॉक का शतक

टॉस हारने के बाद खेलने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रेयान रिकेल्टन को 2 रन बनाकर अर्शदीप सिंह ने आउट किया। अगली ही गेंद पर अर्शदीप ने सूर्यकुमार यादव को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद क्विंटन डिकॉक और नमन धीर ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 68 गेंदों में 122 रनों की साझेदारी निभाई। नमन ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 50 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं, क्विंटन डिकॉक ने आईपीएल में अपना तीसरा शतक लगाया। डिकॉक ने 60 गेंदों का सामना करते हुए 112 रनों की नाबाद पारी खेली। उन्होंने 8 चौके और 7 छक्के लगाए।

कप्तान हार्दिक पांड्या बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 12 गेंदें खेलने के बाद 14 रन बनाकर मार्को जानसेन का शिकार बने। शेरफेन रदरफोर्ड सिर्फ एक रन ही बना सके, जबकि बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजे गए तिलक वर्मा 3 गेंदों में 8 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब किंग्स की तरफ से अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 22 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शशांक सिंह और मार्को जानसेन ने एक-एक विकेट निकाला।

पंजाब ने आसानी से लक्ष्य हासिल किया

पंजाब किंग्स ने विस्फोटक शुरुआत की। पहले ही ओवर में दीपक चाहर के खिलाफ प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने 21 रन ठोक दिए। अल्लाह गजनफर ने प्रियांश (15) को तीसरे ओवर में आउट कर दिया। 5वें ओवर में उन्होंने कूपर कोनोली का शिकार किया। उन्होंने 12 गेंद पर 17 रन बनाए। दो विकेट गिरने के बाद भी पंजाब किंग्स का रन रेट 10 के करीब चल रहा था। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह को कप्तान श्रेयस अय्यर का साथ मिला। दोनों ने आसानी से रन बनाए। 23 गेंदों पर प्रभसिमरन ने अपनी फिफ्टी पूरी की।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी इस बीच अपनी फिफ्टी पूरी की। टीम को जीत के करीब पहुंचाकर अय्यार आउट हुए। 35 गेंद पर 5 चौके और 4 छक्कों की मदद से उन्होंने 66 रन बनाए। 17वें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका मारकर मार्कस स्टोइनिस ने पंजाब को जीत दिला दी। 39 गेंद पर 11 चौके और 2 छक्कों की मदद से प्रभसिमरन 80 रन बनाकर नाबाद रहे।

मैच के दौरान रील बनाने में महिला की अंगूठी गुमी, 70 हजार का हुआ नुकसान

मोहली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक मैच के दौरान रील बनाने के दौरान एक महिला की 70 हजार रुपये की अंगूठी खो गयी। यहां के पीसीए स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के दौरान इस महिला ने वायरल रिंग ट्रेंड के लिए रील बनानी शुरु कर दी पर इसी दौरान उसकी 70,000 रुपए की महंगी अंगूठी खो दी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में महिला एक लोकप्रिय रिंग ट्रेंड को दोहराने की कोशिश कर रही थी, इसमें लोग रिकार्डिंग करते समय अपनी अंगूठी को हवा में उछालने का नाटक करते हैं और फिर उसे पकड़ लेते हैं पर यहां ये प्रयास उल्ट पड़ गया। अंगूठी को सुरक्षित रूप से पकड़ने के बजाय, उसने गलती से उसे नीचे गिरा दिया। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि अंगूठी उसके हाथ से फिसलकर नीचे जा गिरी।

अंगूठी के हाथ से फिसलते ही महिला परेशान हो गयी। इस घटना के बाद वह तुरंत अपनी सीट और आसपास के क्षेत्र में अपनी खोई हुई अंगूठी को तलाशन में जुट गई। स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ और अव्यवस्थित माहौल में अपनी कीमती अंगूठी को ढूंढना उसके लिए एक बड़ी चुनौती बन गया। इसका एक वीडियो एक दर्शक ने साझा किया। इसमें अंगूठी के गुम होने का पूरा मामला दिखाया गया है।

गुम हुई अंगूठी की कीमत 70,000 रुपए बताई जा रही है। वीडियो के साथ लिखा गया है, 70,000 हजार का नुकसान हो गया। अंगूठी अभी भी नहीं मिली है। महिला ने स्टेडियम में मौजूद सभी दर्शकों और सोशल मीडिया पर वीडियो देखने वाले लोगों से अपील की है कि यदि किसी को भी वह अंगूठी मिले, तो उसे वापस लौटाने में मदद करें। इसमें लिखा है, अगर स्टेडियम में मौजूद कोई भी व्यक्ति यह वीडियो देख रहा है, तो कृपया हमारी अंगूठी ढूंढने और उसे वापस लौटाने में हमारी मदद करें। यह घटना सोशल मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग महिला के प्रति सहानुभूति व्यक्त कर रहे हैं।

आस्ट्रेलिया में हो सकता है आईपीएल का अगला सत्र

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पिछले 18 साल में लगातार आगे बढ़ने के साथ ही दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग बन गई है। इसकी आपार लोकप्रियता और वैश्विक अपील को देखते हुए, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कई बार इसके मुकाबलों को विदेशी धरती पर भी आयोजित किया है, अरब अमीरात की धरती हो या दक्षिण अफ्रीका के मैदान पर जगह इसके मुकाबले सफल रहे हैं। अब अगले सत्र में आईपीएल के आस्ट्रेलिया में आयोजन की संभावनएं बन रही हैं। यह कदम लीग के वैश्विक होने की दिशा में एक और मजबूत कदम होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, आस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल स्टेडियम अगले साल मार्च में एक नियमित सत्र के आईपीएल मैच की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। एडिलेड ओवल के चेयरमैन जेमी ब्रिग्स और दक्षिण आस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के प्रमुख विल रेयनर ने ये बात ही है। इस योजना पर कई हितधारकों के साथ प्रारंभिक चर्चाएँ हो चुकी हैं हालांकि बीसीसीआई से अभी तक औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया गया है। यह देखना होगा कि बीसीसीआई इस अनूठे प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया देता है। वहीं आईपीएल के बदले में आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) भी चेन्नई में एक मैच आयोजित करने पर विचार कर सकती है। इससे देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को मजबूत होने की संभावना है। एडिलेड को इस संभावित आयोजन के लिए कई कारणों से उपयुक्त माना जा रहा है।

यश डबास के विस्फोटक शतक से पीजीडीएवी कालेज ने दर्ज की 175 रन की बड़ी जीत

नई दिल्ली

तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में मेजबान पीजीडीएवी कालेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को शिवाजी कालेज को 175 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

इस मुकाबले के हीरो रहे यश डबास, जिन्होंने महज 51 गेंदों में 161 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 16 चौके और 15 छक्के जड़े। उनके अलावा श्रेष्ठ यादव (58) और अंकित कुमार (53) ने भी अर्धशतकीय पारियां खेलकर टीम के स्कोर को मजबूती दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पीजीडीएवी कालेज ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 332 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में शिवाजी कालेज की टीम 15.3 ओवर में 157 रन पर सिमट गई। शिवाजी कालेज की ओर से प्रियांश सिंह ने सर्वाधिक 37 रन बनाए, जबकि धैर्य मल्होत्रा ने गेंदबाजी में तीन विकेट हासिल किए।

पीजीडीएवी कालेज की ओर से वैभव पांडे (13 रन देकर 4 विकेट) और

प्रणीत (17 रन देकर 3 विकेट) ने शानदार गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम को संभलने का मौका नहीं दिया। यश डबास को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन आफ द मैच चुना गया, यह पुरस्कार डा. पवन डबास ने प्रदान किया।

करण सोनी का आलराउंड प्रदर्शन, पीजीडीएवी येलो टीम की जीत

टूर्नामेंट के एक अन्य मुकाबले में पीजीडीएवी येलो टीम ने शहीद भगत सिंह कालेज को 87 रनों से हराया। इस मैच में करण सोनी ने शानदार आलराउंड प्रदर्शन करते हुए 52 गेंदों में 132 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। इसके अलावा उन्होंने गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए 11 रन देकर 3 विकेट झटके।

नैतिक यादव (40) और अंश जाखड़ (3/38) ने भी टीम की जीत में अहम योगदान दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीजीडीएवी येलो टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 265 रन बनाए। जवाब में शहीद भगत सिंह कालेज की टीम 19.2 ओवर में 178 रन पर आलआउट हो गई।

पराजित टीम की ओर से वरदान सूरी ने 23 रन बनाए, जबकि अभय और शास्वत ने दो-दो विकेट हासिल किए।

गुजरात के खिलाफ मैच में ग्रीन को बाहर करेगी सीएसके

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन बेहद खराब है और वह पांच मैचों में एक भी जीत नहीं पायी है। उसका एक मैच बारिश से रद्द हो गया था जिससे उसका केवल एक अंक है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले के अलावा उसकी टीम एक भी मैच में संघर्ष नहीं कर पायी। केकेआर की इस खराब हालत के लिए आलराउंडर कैमरुन ग्रीन सहित सभी टीम के कुछ खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन है। ऐसे में अब देखना है कि शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले मैच में ग्रीन को शामिल किया जाता है या नहीं। सबसे महंगे खरीदे गये ग्रीन इस सत्र में एक भी मैच में रन नहीं बना पाये हैं और गेंदबाजी में भी विफल रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह किसी अन्य को उतारने की मांग की जा रही है। इसके अलावा टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण भी कमजोर है, दो मुख्य स्पिनर

में से एक आउट आफ फार्म है और बल्लेबाजी में भी दम नहीं है।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मंगलवार रात हुई हार ने उनकी कमी को दिखाया है। 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम असफल रही। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने तो यहां तक कह दिया कि टीम की बल्लेबाजी में तकनीकी खामी है। सुनील नारायण को को पारी की शुरुआत के लिए भेजने का फैसला एक नया प्रयोग था जो असफल रहा। वह 17 गेंदों में 24 रन ही बना पाये।

फिंच ने अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी की 31 गेंदों में 50 रन की साझेदारी पर भी निराशा व्यक्त की। उनके अनुसार, इस साझेदारी में आक्रमक अंदाज नहीं था। यह विरोधी टीम के कप्तान को अपनी रणनीति में बदलाव के बारे में मजबूर नहीं कर पाई। उन्होंने कहा, कुछ दूसरे फैसले थोड़े अजीब थे जिससे लगा कि टीम जीत की दौड़ में शामिल नहीं थी।

टीम के बालिंग कोच टिम साउदी ने हालांकि इन फैसलों को अलग-अलग विकल्प आज़माने और टीम की गहराई को परखने का प्रयासद बताया। उन्होंने कहा कि हारने पर ऐसे विकल्प तलाशना स्वाभाविक है और यह आईपीएल की खूबसूरती है। मंगलवार को, केकेआर ने नारायण और फिन एलन के साथ ओपनिंग की। एलन ने सिर्फ 1 रन बनाया, और उनके इस इस में केवल 37, 28, 6, 9 और 1 रन ही बनाये हैं।

युवा तेज़ गेंदबाज़ कार्तिक त्यागी ने की अच्छी वापसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज़ गेंदबाज़ कार्तिक त्यागी ने लंबे समय के बाद खेल के मैदान पर जबरददस्त वापसी की है। कार्तिक ने फिटनेस हासिल करने के लिए साल 2024 में खेल से ब्रेक ले लिया था। अब जबकि व 19 महीने के बाद मैदान पर लौटे हैं जो उनमें एक अलग से आत्मविश्वास दिख रहा है। वह केवल अपनी पुरानी गति वापस पा चुके हैं, बल्कि एक नए एक्शन के साथ ही परिपक्व होकर आये हैं। पिछले कई साल त्यागी के लिए परेशानी भरे रहे, जब 2021 से लगातार परेशान कर रही पिंडली की चोट से वह मैदान से दूर रहे। कई सुविधाओं पर नियमित पुनर्वास के बावजूद, चोट पहले की तस बनी हुई थी, और वे 2022 से 2024 के आईपीएल सीज़न के बीच केवल छह आईपीएल मैच ही खेल पाए। दिसंबर 2023 से मई 2024 के बीच, वे केवल 10 शीर्ष-स्तरीय मैचों में खेल पाए। इस गेदबाज ने कहा, मैं बड़े मैच नहीं खेल पा रहा था। मैं अभ्यास में भी ज़्यादा ओवर नहीं फेंक पा रहा था। 2024 आईपीएल से पहले, उन्होंने अपनी पिंडली की चोट का इलाज करने का संकल्प लिया था, लेकिन बदकिस्मती से उन्हें एक साइड स्ट्रेन भी हो गया। उन्होंने स्वीकार किया, यह बहुत मुश्किल था, और तभी मुझे समझ आया कि मुझे पहले इसका ठीक से इलाज करना चाहिए।इसी सोच के साथ त्यागी ने क्रिकेट से 19 महीने का ब्रेक लिया, जो उनके लिए बेहद ज़रूरी था। इस दौरान, उन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के पूर्व मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट आशीष कौशिक से सलाह ली।

पश्चिमी एशिया संकट के बावजूद एलपीजी की मारामारी खत्म, सिलेंडर बुकिंग में कमी

सरकारी प्रयासों और वैकल्पिक आपूर्ति से स्थिति सामान्य हुई, मांग-आपूर्ति का अंतर पाटा गया

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण भारत में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडरों की बुकिंग के लिए मची मारामारी अब काफी हद तक खत्म हो गई है। एक महीने पहले जहां दैनिक बुकिंग 90 लाख तक पहुंच गई थी, वहीं अब यह घटकर 43 लाख रह गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आपूर्ति व्यवस्था में सुधार और सरकार के त्वरित कदमों के कारण स्थिति सामान्य हो रही है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 14 अप्रैल को सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने घरेलू उपभोक्ताओं को 43.1 लाख सिलिंडरों की बुकिंग के मुकाबले 47.6 लाख एलपीजी सिलिंडर वितरित किए, जो आपूर्ति व्यवस्था के दुरुस्त होने का संकेत है। पश्चिम एशिया संकट से पहले घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की औसत दैनिक मांग लगभग 55 लाख थी, और अब आपूर्ति तथा मांग के अंतर को काफी हद तक पाट लिया गया है।

रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन में वृद्धि, सिलिंडर बुकिंग के बीच लंबे अंतराल, विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति को प्राथमिकता देने और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने जैसे कदमों से स्थिति को संभालने में खासी मदद मिली है। भारत ने पश्चिम एशिया से बाधित आपूर्ति की भरपाई के लिए अमेरिका, अंगोला और ईरान सहित अन्य देशों से एलपीजी की खरीद बढ़ाई है। केंद्र सरकार ने भी स्थिति पर बारीकी से नजर रखी है। सरकार के अनुसार, अब किसी भी वितरक कंपनी के पास ड्राई-आउट जैसी स्थिति नहीं है और आनलाइन बुकिंग 84 प्रतिशत से बढ़कर 98 प्रतिशत हो गई है।

आटो एलपीजी की बिक्री में भी अप्रैल में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सरकार ने फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और खाद्य जैसे अहम क्षेत्रों के लिए सी3 और सी4 गैसों की मात्रा को पहले के 800 टन/दिन से बढ़ाकर 1,000 टन प्रतिदिन कर दिया है। सरकार ने रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन के लिए इन गैसों का पूरा उपयोग करने का निर्देश दिया था।

न्यूज ब्रीफ

क्वालकाम और बाश मिलकर अडास साल्युशन करेंगी विकसित

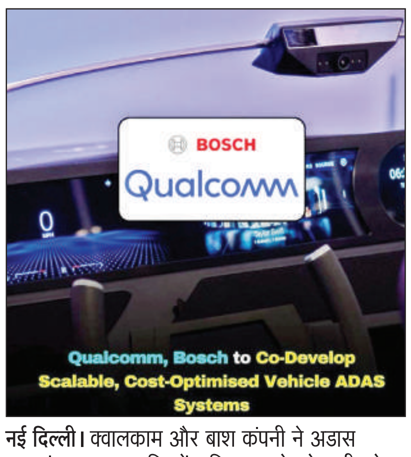

नई दिल्ली। क्वालकाम और बाश कंपनी ने अडास (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) टेक्नोलाजी को आम जनता के लिए किफायती बनाने के लिए हाथ मिलाया है। अपने डिजिटल काकपिट कंप्यूटरों की सफलता के बाद, ये दोनों कंपनियां मिलकर वाहन निर्माताओं के लिए अडास साल्युशन विकसित करेंगी। इस साझेदारी के तहत, बाश क्वालकाम के स्नैपड्रैगन राइड हार्डवेयर पर आधारित इन-कार कंप्यूटर तैयार करेगा। ये कंप्यूटर अडास की विभिन्न सुविधाओं को आपरेट करेंगे। कार निर्माता एक ही स्नैपड्रैगन राइड फ्लैक्स एसओसी पर आधारित काकपिट और अडास हार्डवेयर साल्युशन का चयन कर अपनी लागत को कम कर सकते हैं, जिससे उन्हें साफ्टवेयर-डिफाइंड वाहनों के विकास में मदद मिलेगी। कंपनियों का कहना है कि यह स्केलेबल और माड्यूलर प्लेटफार्म हाई बैंडविड्थ और कंप्यूटिंग क्षमता प्रदान करेगा, जिससे तेज गति से चलती कार में भी सटीक एनवायरमेंट माडलिंग संभव होगी और ड्राइवर-यात्री की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यह समाधान शुरुआती स्तर के अडास वर्किंग (जैसे स्पीड/डिस्टेंस कंट्रोल) से लेकर एडवांस्ड आटोमेटेड ड्राइविंग सिस्टम तक का समर्थन करेगा।

ओप्पो पेड 5 प्रो अपनी बड़ी बैटरी के कारण सुर्खियों में

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी ओप्पो का नया फ्लैगशिप टैबलेट, ओप्पो पेड 5 प्रो, अपनी बड़ी बैटरी और शानदार डिस्प्ले के कारण लाचिंग से पहले ही सुर्खियों में है। यह तेजतर्रार टैबलेट 21 अप्रैल को चीन में आधिकारिक तौर पर लान्च किया जाएगा। आगामी ओप्पो पेड 5 प्रो में 13.2 इंच का बड़ा डिस्प्ले होगा, जिसका रिजाल्यूशन 1920गुणा1200 पिक्सेल और आस्पेक्ट रेशियो 16:9 होगा। परफार्मेंस के लिए इसमें क्वालकाम का पावरफुल स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 (एसएम8850पी) चिपसेट लगा होगा, जो इसे फ्लैगशिप कैटेगरी में लाता है। यह एंड्राएड पर चलेगा और गेमिंग, वीडियो एडिटिंग व मल्टीटास्किंग के लिए ज़बरदस्त परफार्मेंस देगा। फोटोग्राफी के लिए, इसमें 13-मेगापिक्सेल का रियर कैमरा मिलने की उम्मीद है, जबकि कुछ लीक्स 8 मेगापिक्सेल के फ्रंट कैमरे का भी संकेत देते हैं, जो डाक्यूमेंट स्कैनिंग और कभी-कभार की फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त होगा। यह एक वाईफाई-ओनली डिवाइस होगा, जो सेल्युलर कनेक्टिविटी को सपोर्ट नहीं करेगा। यह टैबलेट 8जीबी प्लस 256जीबी, 12जीबी प्लस 256जीबी, 12जीबी प्लस 512जीबी और 16जीबी प्लस 512जीबी जैसे कई कान्फिगरेशन में उपलब्ध होगा।

कम मेंटेनेंस वाली 5 बाइक्स खूब आ रही ग्राहकों को पसंद

नई दिल्ली। दो पहिया वाहनों के बाजार में इन दिनों कम मेंटेनेंस वाली 5 बाइक्स मौजूद है जो ग्राहकों द्वारा बेहद प्रसंद की जा रही है। आजकल बाजार में दैनिक उपयोग, विश्वसनीयता व कम मेंटेनेंस के लिए 5 बेहतरीन बाइक्स मौजूद है इनमें यामाहा एमटी-15 वी2 प्रमुख है। स्टाइल और पावर चाहने वालों के लिए यह 155सीसी इंजन वाली बाइक एकदम सही है। इसका रिफाइंड इंजन, शहर के ट्रैफिक में आसान हैंडलिंग और हाई-परफार्मेंस के बावजूद भरोसेमंद होना इसे खास बनाता है। इसी तरह टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी अपनी कैटेगरी में सबसे स्मूथ मानी जाने वाली यह बाइक विभिन्न राइडिंग मोड्स के साथ आती है। इसकी मजबूत बनावट और इंजन क्वालिटी इसे रोज़ाना 40-50 किलोमीटर चलाने के लिए आदर्श बनाती है। स्पोर्टी लुक और कम मेंटेनेंस चाहने वालों के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है। वहीं भारतीय सड़कों पर भरोसे का पर्याय, स्प्लेंडर प्लस अपनी बेजोड़ मजबूती और टिकाऊपन के लिए हीरो स्प्लेंडर प्लस जानी जाती है। समय पर सर्विस से यह सालों-साल बिना शिकायत चलती रहती है, जो इसे बचत और भरोसे के मामले में शीर्ष पर रखती है।

युद्ध की छाया में वैश्विक रक्षा व्यय रिकार्ड स्तर पर, आईएमएफ ने आर्थिक असंतुलन पर चेताया

रिपोर्ट में भारत के लिए भी अहम संदेश; राजकोषीय असंतुलन और सामाजिक खर्च में कटौती का बढ़ा खतरा

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी अप्रैल की विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में वैश्विक रक्षा खर्च में चिंताजनक वृद्धि को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि मौजूदा भू-राजनीतिक संघर्षों, जिनमें अमेरिका और इजरायल का ईरान के साथ जारी तनाव भी शामिल है, के कारण रक्षा व्यय शीत युद्ध (1991 में समाप्त) के बाद के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। आईएमएफ ने सरकारों को इस बढ़ती प्रवृत्ति से उत्पन्न होने वाले संभावित आर्थिक असंतुलन के प्रति आगाह किया है, जिसमें सार्वजनिक ऋण में वृद्धि और सामाजिक खर्च में कटौती का खतरा प्रमुख है। यह रिपोर्ट भारत जैसे विकासशील देशों के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है।

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत का रक्षा बजट उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 2 फीसदी से कम है फिर भी वह रक्षा आयात और खर्च के मामले में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल है। चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत की प्रति व्यक्ति आय काफी कम है, और उसे अपनी अनूठी सामाजिक वास्तविकताओं के साथ-साथ पड़ोसियों के साथ कई अहम रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आईएमएफ चेतावनी देता है कि दशकों की गिरावट के बाद रक्षा खर्च में अचानक उछाल अक्सर राजकोषीय और बाहरी संतुलन को कमजोर करता है।

रिपोर्ट के अनुसार युद्ध के दौरान खर्च बढ़ने से सार्वजनिक ऋण में भारी वृद्धि होती है और सामाजिक मदों (जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य) पर व्यय में कमी आती है। इसके विपरीत, शांति काल में आर्थिक तेजी से उत्पादन बढ़ता है बिना कर्ज बढ़ाए या सामाजिक खर्च घटाए। बढ़ी हुई मांग और कुछ हद तक विदेशी सैन्य उपकरणों की खरीद चालू खाते की स्थिति को बिगाड़ सकती है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि मौजूदा रक्षा विस्तार का व्यापक आर्थिक प्रभाव पहले से अलग हो सकता है, क्योंकि व्यय अब अधिक पूंजी लागत और अनुसंधान पर केंद्रित है, खासकर अत्यधिक एकीकृत और ऋणग्रस्त अर्थव्यवस्थाओं में। आईएमएफ नीति निर्माताओं से आग्रह करता है कि वे रक्षा तैयारियों को विश्वसनीय मध्यावधि राजकोषीय ढांचे के तहत एकीकृत करें। उन्हें उच्च लागत बोझ से निपटने के लिए व्यापक आर्थिक स्थितियों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करना चाहिए और निर्माण की गति को सुचारू बनाना चाहिए ताकि संसाधनों के पुनर्वितरण में बाधाओं को कम किया जा सके। द्वितीय विश्व युद्ध (1945) के बाद के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि सरकारों ने अक्सर उधारी के माध्यम से खर्च में वृद्धि की है, और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए विवेकपूर्ण प्रबंधन आवश्यक है।

चीन की अर्थव्यवस्था में रफ्तार, लेकिन मांग की कमजोरी बनी चुनौती

नई दिल्ली। साल 2026 की पहली तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत मिले हैं। हालांकि सतह पर दिख रही मजबूती के पीछे मांग की कमजोरी एक बड़ी चिंता के रूप में उभर रही है। चीन की अर्थव्यवस्था ने 2026 की पहली तिमाही में रफ्तार पकड़ी है। तिमाही आधार पर देश की जीडीपी में 1.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के 1.2 फीसदी से अधिक है। यह बढ़त 2024 के अंत के बाद सबसे मजबूत मानी जा रही है, जिससे संकेत मिलता है कि अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। इस सुधार के पीछे सरकार की ओर से दिया गया लगातार समर्थन अहम भूमिका निभा रहा है। नीतिगत प्रोत्साहन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के प्रयासों ने ग्रोथ को सहारा दिया है। हालांकि, तस्वीर पूरी तरह सकारात्मक नहीं है। अधिकारियों ने साफ संकेत दिया है कि उत्पादन में तेजी के बावजूद बाजार में मांग उतनी मजबूत नहीं है। फैक्ट्रियां तेजी से उत्पादन कर रही हैं, लेकिन उपभोक्ता मांग कमजोर बनी हुई है। यह असंतुलन चीन की अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का बड़ा कारण बनता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। व्यापार तनाव, अनिश्चित आर्थिक माहौल और कमजोर वैश्विक मांग का असर चीन पर पड़ रहा है। इन परिस्थितियों में आगे की राह कठिन हो सकती है। इस सुस्ती को दूर करने के लिए सरकार ने बजट घाटा बढ़ाकर जीडीपी के करीब 4 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

यात्री वाहन निर्यात में मारुति और हुंडई का दबदबा, 70 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी

यात्री वाहनों के निर्यात में वित्त वर्ष 26 में कुल निर्यात 9 लाख के पार

नई दिल्ली

भारत से यात्री वाहनों के निर्यात में वित्त वर्ष 26 में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। कुल 9,05,200 वाहनों के निर्यात के साथ देश के आटोमोबाइल सेक्टर ने अपनी वैश्विक पहुंच को मजबूत किया है। इस उछाल की अगुवाई प्रमुख वैश्विक कार विनिर्माताओं, मारुति सुजूकी इंडिया और हुंडे मोटर इंडिया ने की, जिनकी संयुक्त हिस्सेदारी 70.03 प्रतिशत रही। सोसाइटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) के आंकड़ों के अनुसार, मारुति और हुंडै की यह हिस्सेदारी वित्त वर्ष 25 के 64.05 प्रतिशत की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाती है। यदि तीसरी सबसे बड़ी निर्यातक निसान इंडिया को भी शामिल किया जाए, तो इन तीनों कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 80 प्रतिशत तक पहुंच गई। वित्त वर्ष 25 में यह आंकड़ा 73 प्रतिशत था। इस वृद्धि की मुख्य चालक मारुति सुजूकी इंडिया रही, जिसने वित्त वर्ष 26 में 34.4 प्रतिशत की भारी वृद्धि के साथ 4,43,825 वाहनों का रिकार्ड निर्यात किया। वहीं. हंडै इंडिया का निर्यात 16.36 प्रतिशत बढ़कर 1,90,725 इकाई और निसान इंडिया का निर्यात 15.5 प्रतिशत बढ़कर 84,408 इकाई हो गया। नतीजतन, समूचे यात्री वाहन निर्यात में वित्त वर्ष 26 में सालाना आधार पर लगभग 15 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। इसके विपरीत, अग्रणी घरेलू यात्री वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से काफी पीछे रह गए। वित्त वर्ष 26 में यात्री वाहनों के कुल निर्यात में उनकी संयुक्त हिस्सेदारी मात्र 3.2 प्रतिशत (29,072 वाहन) रही, जो किआ मोटर्स इंडिया के निर्यात से कुछ ही अधिक थी। यह स्थिति विचारणीय है, खासकर तब जब सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना चला रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आबादी आधी...

क्योंकि तब सबने सर्वसम्मति से इसे पारित किया तो यह विषय ही नहीं रहा।

पीएम मोदी ने कहा कि आज से 25-30 साल पहले, जिन्होंने महिला आरक्षण का विरोध किया वो विरोध राजनीतिक सतह से नीचे नहीं गया था। आज ऐसा समझने की गलती मत करना। पिछले 25-30 साल में ग्रास रूट लेवल पर पंचायती चुनाव व्यवस्थाओं में जीत कर आईं बहनों में एक पॉलिटिकल कॉन्शियसनेस है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले वो शांत रहती थीं, समझती थीं लेकिन बोलती नहीं थीं। आज वो वोकल हैं। इसलिए आज जो भी पक्ष विपक्ष होगा, वो लाखों बहनें जो पंचायत में प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं, लोगों के सुख-दुख को गहराई से देखा है, वो आंदोलित हैं।

आंकड़े बोलते हैं

महिलाओं का सशक्तिकरण

देश में करीब 650+ जिला पंचायतें हैं। करीब पौने तीन सौ महिलाएं उसका नेतृत्व करती हैं। एक कैबिनेट मीनिस्टर से ज्यादा जिम्मेदारी होती है उन पर, काम करती हैं वो। करीब 6,700 ब्लॉक पंचायतों में से करीब 2700 से अधिक ब्लॉक पंचायतें ऐसी हैं, जिनका नेतृत्व महिलाओं के हाथ में हैं। आज देश में 900+ शहरों में अर्बन लोकल बॉडीज की हेड के रूप में बहनें कार्यरत हैं। मैं मानता हूं, आज देश जो प्रगति कर रहा है, इनका भी महत्वपूर्ण योगदान है, इस ऋण को हमें स्वीकार करना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि यहां कुछ लोगों को लगता है कि इसमें मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। इसका अगर विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि राजनीतिक लाभ मुझे होगा, लेकिन अगर साथ चलेंगे तो किसी को कोई राजनीतिक फायदा नहीं होगा। हमें क्रेडिट नहीं चाहिए।

अब और कब तक रोकेंगे महिला आरक्षण?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि 2023 में इस नए सदन में हमने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम को स्वीकार किया था। पूरे देश में खुशी का वातावरण बना और उस पर कोई राजनीतिक रंग नहीं लगा, इसलिए ये राजनीतिक मुद्दा नहीं बना। ये अच्छी स्थिति है। अब सवाल ये है कि अब हमें कितने समय तक इसे रोकना होगा?

शाह ने दक्षिण...

इसके साथ ही केरल केरल में लोकसभा की 20 सीटें हैं, जो कि सदन में 3.68 प्रतिशत है। परिसीमन विधेयक पारित होने के बाद सांसदों की संख्या 30 हो जाएगी और नए सदन में उनका प्रतिशत 3.67 प्रतिशत होगा।

कुल मिलाकर दक्षिण का जो पूरा नैरेटिव बनाया जा रहा है, अभी 543 सीटों में उनके 129 सांसद बैठते हैं, 23.76% दक्षिण सांसदों की शक्ति यहां है, 50% वृद्धि के बाद 129 की जगह 195 सांसद दक्षिण के होंगे और उनकी शक्ति 23.97% होगी।

अगली जनगणना जाति जनगणना होने वाली है

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर लोकसभा में बोलते हुए कहा, एक भ्रांति फैलाई जा रही है कि अभी जो प्रश्न पूछे जा रहे हैं उसमें जाति का जिक्र नहीं है। जनगणना दो हिस्सों में होती है, पहले सभी मकानों को इंगित किया जाता है, उसके बाद उन मकानों में रहने वाले लोगों को इंगित किया जाता है। इन्होंने (विपक्ष) कहा कि जाति जनगणना सरकार नहीं कराना चाहती। सरकार की कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जाति जनगणना करने का निर्णय कर लिया है और अगली जनगणना जाति जनगणना होने वाली है।

शाह ने प्रियंका को दिया जवाब

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर लोकसभा में बोलते हुए कहा, डीलिमिटेशन कमीशन का ज़िक्र था कि आप डीलिमिटेशन कमीशन में अपने लोगों को बैठा देंगे और वे ये-वो करेंगे। मैं प्रियंका गांधी को बताना चाहता हूं कि हमने डीलिमिटेशन कमीशन में कोई बदलाव नहीं किया है। हमने आपके डीलिमिटेशन कमीशन एक्ट को दोहराया है। अगर आपने इसमें हेरफेर किया होगा, तो मैं कह सकता हूं कि हम ऐसा नहीं करेंगे।

2029 तक पुराने सीटों पर चुनाव होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर लोकसभा में बोलते हुए कहा, एक वाकया आया कि तमिलनाडु, बंगाल में चुनाव हो रहे हैं और यह नया एक्ट आ गया। मैं स्पष्टता से कह देता हूं कि यह डीलिमिटेशन कमीशन की रिपोर्ट तब ही लागू होगी जब संसद इसे स्वीकार करेगी और राष्ट्रपति इस पर मंजूरी की मुहर लगाएंगी। यह 2029 से पहले होने का सवाल नहीं है और 2029 तक भी जो चुनाव होंगे वह सारे पुराने सीटों पर होंगे, पुरानी व्यवस्था में होंगे तो अखिलेश यादव को भी डरने की जरूरत नहीं है।

शाह ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर लोकसभा में बोलते हुए कहा, जहां तक लोकतंत्र को खत्म करने की बात है, मैं भाजपा कार्यकर्ता के नाते, इस सदन में एक सांसद के नाते कहता हूं कि किसी की भी इस देश से लोकतंत्र को खत्म करने की ताकत नहीं है। जिन्होंने आपातकाल के वक्त प्रयास किए हैं, जनता ने उन्हें खत्म कर दिया, लोकतंत्र को कुछ नहीं हुआ। लोकतंत्र इस तरह खत्म नहीं होता।

प्रियंका का शाह पर तंज...

छोटे राज्यों के प्रभाव को कम कर आगामी चुनावों के लिए एक ऐसा ढांचा तैयार किया जा रहा है, जो लोकतंत्र के परखच्चे उड़ाने जैसा है। बहस के दौरान जब गृह मंत्री अमित शाह मुस्कुराए, तो प्रियंका ने तंज कसते हुए कहा, गृह मंत्री हंस रहे हैं, यह पूरी योजना उन्हीं की बनाई हुई है। अगर आज चाणक्य जीवित होते, तो आपकी राजनीतिक कुटिलता देखकर वह भी चकरा जाते। शाह मुस्कुरा रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि मैं जो कह रही हूं, वह सच है।

प्रियंका ने आरोप लगाया कि यह पूरी योजना विपक्ष को घेरने के लिए बनाई गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय संसद का सत्र बुलाना, सर्वदलीय बैठक न करना और बिल का ड्राफ्ट चर्चा से महज एक दिन पहले साझा करना, यह सब एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

उन्होंने दावा किया कि मीडिया में ऐसा माहौल बनाया गया कि प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं के लिए बहुत बड़ा कदम उठा रहे हैं, ताकि विपक्ष असमंजस में फंस जाए। उन्होंने कहा, राजनीति में चतुर होना एक बात है, शायद हमें भी थोड़ा और चतुर होना चाहिए, लेकिन सत्ता में बने रहने की आकांक्षा को किनारे रखकर राष्ट्रहित में सही फैसला लेना बिल्कुल दूसरी बात है।

10 दिन...

मैंने उपराष्ट्रपति वेंस और विदेश मंत्री रूबियो को, जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन, डैन रेजिन केन के साथ मिलकर, इजरायल और लेबनान के साथ काम करने का निर्देश दिया है ताकि एक स्थायी शांति हासिल की जा सके। दुनिया भर में 9 युद्धों को सुलझाना मेरे लिए सम्मान की बात रही है और यह मेरा 10वां युद्ध होगा, तो चलिए इसे पूरा करते हैं।

इससे पहले लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके बीच वार्ता हुई है। जोसेफ आउन ने बातचीत के दौरान संघर्षविराम कराने और स्थायी शांति व स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया था।

सीजफायर का ऐलान होने से पहले लेबनान की सेना ने बताया था कि 16 अप्रैल को इजरायली सेना ने तायर में कासमीयेह पुल को निशाना बनाकर तबाह कर दिया है।

सेना ने इसे देश के खिलाफ जारी आक्रामकता का हिस्सा बताया था। सेना ने कहा था कि इस हमले का मकसद दक्षिणी लितानी क्षेत्र को उत्तरी क्षेत्र से काटकर अलग-थलग करना था। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 2 लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर तैनात एक सैनिक को भी चोट आई है।

हिजबुल्लाह भड़का,

कहा- सरकार ने की गंभीर भूल

लेबनान और इजरायल के बीच बातचीत पर हिजबुल्लाह ने भी प्रतिक्रिया दी है। हिजबुल्लाह के अधिकारी हुसैन हज हसन का कहना है कि इजरायल के साथ सीधी बातचीत करने का लेबनान सरकार का फैसला एक गंभीर भूल है। हसन के मुताबिक बातचीत देश के किसी भी हित को पूरा नहीं करती है और इसे रोक देना चाहिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें।

अग्रवाल शिक्षा समिति में विदाई समारोह व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित राधे कृष्णा वूमेन्स कॉलेज का विदाई समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम दिनांक 15 अप्रैल 2026 को समिति के सेठमल हॉल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम सायोनारा थीम पर आधारित रहा, जिसमें विद्यार्थियों के लिए खुशी और भावुकता दोनों का माहौल देखने को मिला।

यह दिन विद्यार्थियों के लिए एक ओर नए जीवन की शुरुआत का संकेत लेकर आया, वहीं दूसरी ओर कॉलेज की यादों से बिछड़ने की हल्की उदासी भी दिखाई दी। कॉलेज में बिताए गए वर्ष केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मित्रता, अनुभव और सीखों से भरे यादगार पल बन गए। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केड़िया, मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, कॉलेज के कॉरस्पॉन्डेंट डॉ. महेश कुमार केडिया, संयुक्त मंत्री एवं अन्य संस्थानों के कॉरस्पॉन्डेंट राजेश कुमार अग्रवाल, शेष कुमार गोयल तथा प्राचार्य डॉ. पद्माप्रिया मंचासीन रहे। इसके अलावा अकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन, सीएओ श्रीमती आराधना मोदानी, शिक्षकगण एवं छात्राएं भी उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।प्राचार्य डॉ. पद्माप्रिया ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

कॉरस्पॉन्डेंट डॉ. महेश कुमार केडिया ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए निरंतर प्रगति करने का संदेश दिया।

मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अध्यक्ष प्रमोद कुमार केड़िया ने कहा कि यह कार्यक्रम खुशी और भावनाओं का संगम है तथा शिक्षक सदैव विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

अकादमिक वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं के साथ-साथ सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेल प्रतियोगिताओं में विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

तृतीय वर्ष की छात्रा स्नेहा संतरा को स्टूडेंट ऑफ द ईयर पुरस्कार प्रदान किया गया।

विदाई समारोह के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में सुश्री विट्टी का पुरस्कार उन्नति करवा, सुश्री रॅपन्ज़ेल का पुरस्कार अंतुल फातिमा, बेस्ट स्माइल का पुरस्कार निकिता शुक्ला, बेस्ट अटायर का पुरस्कार आरती मिश्रा को प्रदान किया गया।

इसके अलावा पहले रनरअप का पुरस्कार पी. भवानी, दूसरे रनरअप का पुरस्कार योगिनी तथा सुश्री राधेकृष्णा का पुरस्कार सरिता पारिख को दिया गया।कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्रीमती आकांक्षा जायसवाल तथा छात्राएं पूर्वी निगम, हर्षिता जैन, धनलक्ष्मी एवं योगिता ने संयुक्त रूप से किया। अंत में निशा जाना द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आयुर्वेदिक पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु एनआईआईएमएच और राजराजेश्वर आयुर्वेद कॉलेज के बीच एमओयू

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आयुर्वेदिक पांडुलिपियों के संरक्षण और उनके अध्ययन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत सीसीअरएएस के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद और राजराजेश्वर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, हुमनाबाद (कर्नाटक) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता ज्ञापन आयुर्वेद पांडुलिपियों के संरक्षण, अध्ययन और व्याख्या के क्षेत्र में दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग को सुदृढ़ करेगा। इस पहल से प्राचीन आयुर्वेदिक ज्ञान को संरक्षित करने और उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

एमओयू के तहत आयुर्वेद पांडुलिपियों की व्याख्या विषय पर एक विशेष कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए और इस क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में एनआईआईएमएच, सीसीअरएएस के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद, अनुसंधान अधिकारी डॉ. साकेतराम एवं डॉ. संतोष माने उपस्थित रहे।वहीं राजराजेश्वर आयुर्वेद कॉलेज से अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर पाटिल, मौलिक सिद्धांत विभाग के प्रमुख डॉ. बृजेश, डॉ. रविंद्र, डॉ. शिवकृष्ण और डॉ. श्रीनिवास (एसोसिएट प्रोफेसर) ने भी भाग लिया।

श्रीमद् भागवत कथा का हवन और भंडारे के साथ भव्य समापन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आज श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हुआ। इस आध्यात्मिक आयोजन के अंतिम दिन सुबह 11 बजे पूर्णाहूति हवन किया गया, जिसमें मुख्य यजमानों और अतिथियों ने आहुतियां देकर विश्व कल्याण की कामना की।

अनुष्ठान के दौरान राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी एवं श्रीमती आशा देवी सोमानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। हवन का संपादन आचार्य लाला महाराज, पंडित श्याम महाराज और पंडित गिरिराज महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कथा वाचक हरिप्रिया वैष्णवी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम में समिति के सदस्य और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से संजय राठी, रमेश मोदानी, अशोक कुमार हिरावत, महेश अग्रवाल, गोविंद बिरादर एवं अन्य सदस्य शामिल हुए।

हवन के पश्चात दोपहर 2 बजे से विशाल भंडारे (महाप्रसाद) का आयोजन किया गया। प्रतिदिन कथा श्रवण करने वाले सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के अंत में कथा वाचक और विद्वान पंडितों को समिति द्वारा भावभीनी विदाई दी गई और उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मास्टर सूर्यांश सिंह का भव्य अभिनंदन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एनकेएस ग्रुप के चेयरमैन एन.के. सिंह के बड़े पोते मास्टर सूर्यांश सिंह ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 78.5% अंक प्राप्त कर गौरव बढ़ाया है। इस शैक्षणिक सफलता के उपलक्ष्य में कल, 16 अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अपनी सफलता पर कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए मास्टर सूर्यांश सिंह ने वनस्थलीपुरम स्थित प्रसिद्ध गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने भगवान का आशीर्वाद लिया। सफलता का उत्सव नरसिम्हा राव नगर कॉलोनी स्थित एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज के कार्यालय श्री राधे कृष्ण निवास में भी मनाया गया। यहाँ आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में मास्टर सूर्यांश सिंह का भव्य अभिनंदन किया गया। इस खुशी के अवसर पर वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह, अमरजीत सिंह और पी. सुरेश विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सूर्यांश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि युवाओं की शैक्षणिक प्रगति ही समाज और देश की उन्नति का आधार है। कार्यालय में मौजूद अन्य सदस्यों और शुभचिंतकों ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

देवकरण कुमावत बोलेमानवता की मिसाल बन चुका है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित रूप से संचालित अन्नदान कार्यक्रम का एक बार फिर सेवा, समर्पण और मानवता के भाव के साथ आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने भाग लेकर जरूरतमंदों की सेवा की।

इस अवसर पर समाजसेवी देवकरण कुमावत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य वास्तव में समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में जहां लोग अपने स्वार्थ में व्यस्त हैं, वहीं यह समूह निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाकर मानवता की सच्ची मिसाल पेश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक अन्न वितरित किया गया। सभी कार्यकर्ताओं ने पूरे अनुशासन और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। वातावरण में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार की तरह कार्य कर रहा है, जहां हर सदस्य सेवा के उद्देश्य से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार के नियमित अन्नदान कार्यक्रम न केवल भूखों को भोजन प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में एकजुटता और करुणा का संदेश भी फैलाते हैं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, देवकरण कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जय प्रकाश सारडा, भगत राम गोयल एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

हिलेस की कवि गोष्ठी एवं अज्ञेय पर साहित्यिक आयोजन भव्यता के साथ संपन्न

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 615वीं मासिक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, हैदराबाद में अत्यंत भव्यता एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों एवं रचनाकारों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री अमृत कुमार जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अमृत चिट्स की निदेशक वर्षा संचेती ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अतिरिक्त समाजसेविका परमेश्वरी शर्मा (विज्जु शर्मा), कवि अंजनी कुमार गोयल तथा शायर अतियब एजाज़ भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में साहित्यिक विचार-विमर्श आयोजित किया गया। कवयित्री आशा ठाकुर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदी साहित्य के महान रचनाकार सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अज्ञेय हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि, उपन्यासकार, निबंधकार और पत्रकार थे। शेखर: एक जीवनी तथा असाध्य वीणा जैसी कालजयी कृतियों के माध्यम से उन्होंने साहित्य को नई दिशा प्रदान की। वे आधुनिक युग में प्रयोगवाद के प्रवर्तक माने जाते हैं तथा उन्हें ज्ञानपीठ सहित अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए वरिष्ठ कवि ठाकुर दिनेश सिंह ने कहा कि अज्ञेय का जीवन अत्यंत विविधतापूर्ण रहा। वे एक ओर स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े क्रांतिकारी थे, वहीं दूसरी ओर उन्होंने सेना में भी सेवा दी। उन्होंने देश-विदेश में व्यापक भ्रमण किया तथा जोधपुर विश्वविद्यालय में अंग्रेज़ी के प्रोफेसर के रूप में भी कार्य किया। वे दिनमान और प्रतीक जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के संपादक रहे तथा तार सप्तक जैसे महत्वपूर्ण काव्य संकलनों के सूत्रधार थे। उनकी रचनाओं में प्रकृति, समाज, दर्शन, विज्ञान और मानवीय संवेदनाओं का व्यापक चित्रण मिलता है।

मुख्य अतिथि व सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद नगर की एक पुरानी एवं प्रतिष्ठित संस्था है, जिसने वर्षों से साहित्यकारों को मंच प्रदान कर हिंदी साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस संस्था से जुड़े अनेक रचनाकार आज राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुके हैं।

कार्यक्रम का संचालन गोलकोण्डा दर्पण के संपादक एवं कवि गोविंद अक्षय ने कुशलतापूर्वक किया तथा संघ की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया।

द्वितीय सत्र में भव्य कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता सुप्रसिद्ध गीतकार चंपालाल बैद ने की। गोष्ठी का शुभारंभ कवयित्री आशा ठाकुर द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर नगर के वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने समसामयिक विषयों, सामाजिक परिस्थितियों एवं जीवन के विविध आयामों पर अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। काव्य पाठ करने वाले प्रमुख रचनाकारों में चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, ममता मिश्रा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आशा ठाकुर, विद्या दवे श्रीमाली, निधि झा, ठाकुर दिनेश सिंह, अतियब एजाज़, अब्दुल रशीद, अंजनी कुमार गोयल, ललित कुमार अग्रवाल सहित अनेक कवि शामिल रहे। उनकी प्रस्तुतियों को श्रोताओं द्वारा भरपूर सराहना मिली और सभागार में साहित्यिक उल्लास का सुंदर वातावरण निर्मित हुआ।

कवि गोष्ठी के अध्यक्ष चंपालाल बैद ने सभी कवियों की रचनाओं की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में चंपालाल बैद, ठाकुर दिनेश सिंह एवं डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी कवियों, लेखकों एवं उपस्थित साहित्य प्रेमियों का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कवि पूनम जोधपुरी द्वारा जलपान की उत्तम व्यवस्था की गई।

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने वरिष्ठ पत्रकार डॉ. टी. नरहरि से की भेंट, कुशलक्षेम जाना

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आज वरिष्ठ पत्रकार डॉ. टी. नरहरि से उनके निवास पर मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान पूर्व राज्यपाल ने डॉ. नरहरि को सम्मानित (फालिसिटेट) किया और उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली।मुलाकात के दौरान श्री दत्तात्रेय ने डॉ. टी. नरहरि के साथ पत्रकारिता और सामाजिक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने डॉ. नरहरि के दीर्घकालिक योगदान की सराहना करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इस भेंट को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न किया गया, जहाँ पत्रकारिता जगत के अनुभवों को भी साझा किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र के साथ-साथ कई प्रमुख नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उपस्थित रहने वालों में के. सुरेंद्र, अनंत कृष्णा, मिरनपल्ली कृष्णा, कुणाल राव, प्रकाश गौड़, के. नरेंद्र, डॉ. नटराज नामधारी और राहुल यादव शामिल थे।

इस दौरान उपस्थित नेताओं ने क्षेत्र के विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर भी संक्षिप्त चर्चा की। डॉ. नरहरि के आवास पर आयोजित इस गरिमामय मिलन समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके स्वास्थ्य के प्रति अपनी सद्भावना व्यक्त की। यह भेंट न केवल व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाती है, बल्कि वरिष्ठ पत्रकारों के प्रति सम्मान की परंपरा को भी रेखांकित करती है।

जगत नारायण अग्रवाल के सान्निध्य में राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान, सेवा का सतत अभियान जारी

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने निरंतर अन्नदान सेवा का आयोजन किया जा रहा है। यह सेवा कार्य समाज में मानवता, करुणा और सहयोग की भावना को सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही जीवन का सच्चा धर्म है। उन्होंने बताया कि अन्नदान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं होता और इसी भावना के साथ ग्रुप लगातार जरूरतमंदों की सेवा में जुटा हुआ है। उनके मार्गदर्शन और सानिध्य में यह सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें सभी सदस्य अपने-अपने स्तर पर योगदान देते हैं। इसी क्रम में स्वाति अग्रवाल ने भी समय-समय पर उपस्थित होकर अपनी सेवाएं प्रदान कीं। भले ही वे नियमित रूप से शामिल नहीं हो पातीं, लेकिन जब भी अवसर मिलता है, सेवा कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेकर मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाती हैं।

इस दौरान राज कुमारी अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनिल भाई, गोविंद राम जी, राजेश सर (योगा), महेश गोयल, अरुण विजयवर्गी, पन्ना लाल जी, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, अर्चना शास्त्री, शर्मिला अग्रवाल, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा भाव से कार्यक्रम को सफल बनाया।

नरसिंग दास आत्माराम परिवार द्वारा पितृ देवता के वार्षिक भजन आयोजित

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा उनके पितृ देवता सोनासर वाले बाबाजी भगवान के भजन लोअर टैंक बंड स्थित जगदीश मंदिर में आयोजित किए गए । एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रति वर्ष यह भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है । प्रातः पितृ देवता के साथ अन्य देवी देवताओं की पूजा की गई तत्पश्चात हवन आयोजित किया गया तत्पश्चात् अल्पाहार के साथ प्रातः कालीन कार्यक्रम समाप्त हुआ ।

रात्रि 8-30 बजे से सुनील शर्मा एंड पार्टी द्वारा भजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जो अर्धरात्रि 12 बजे तक चला । कार्यक्रम में ज्योत प्रज्वलित कर उपस्थित लोगों द्वारा ज्योति की पूजा की गई परिवार के कुल देवता लक्ष्मी नृसिंह स्वामी तथा अन्य देवताओं सहित पितृ देवता सोनासर (झुनझुनू, राजस्थान के निकट) वाले बाबाजी भगवान का पूजन व भजन आयोजित किए गए । परिवार के पितृ जनो की पूजा अर्चना की गई ।

कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों में मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, कमल अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, ओम अग्रवाल, मधु अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, अरुण गुप्ता, सुनील अग्रवाल, घनश्याम दास कंदोई, श्रीमती उषा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, तारा पित्ती, शांता अग्रवाल, ललिता गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, शारदा अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, राखी अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, कविता अग्रवाल, खुशबू अग्रवाल, एवं अत्यधिक संख्या में अतिथिगण उपस्थित थे सभी ने भजन के साथ साथ प्रसाद का भी आनंद उठाया ।

तुलजा भवानी मंदिर मारुती नगर अत्तापुर में प्रतिस्थापना दिवस पर चंडी पाठ सुन्दर काण्ड भजन कीर्तन मां शारदा विंध्याचल भजन मंडली द्वारा भजन किया गया जिसमें मन्दिर के सभी सदस्यों ने भाग लिया

हैदराबाद स्थित समाजसेवी संस्था नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष आरोही रावत ने नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस बैठक को ''प्रगति और संभावनाओं'' पर केंद्रित एक प्रेरक संवाद के रूप में देखा जा रहा है।

हाईफार्म और श्री बायो एस्थेटिक्स के बीच रणनीतिक साझेदारी

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): भारत की प्रमुख आलू बीज गुणन और प्रसंस्करण मूल्य श्रृंखला कंपनी हाईफन फूड्स की कृषि इकाई हाईफार्म ने हैदराबाद स्थित जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान कंपनी श्री बायो एस्थेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य माइक्रोबायोम-संचालित मृदा प्रतिरक्षा के माध्यम से आलू पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

इस समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों कंपनियाँ संयुक्त रूप से आलू उद्योग के लिए विशेष रूप से तैयार एक निवारक, माइक्रोबायोम-संचालित मृदा प्रतिरक्षा मॉडल विकसित करेंगी। इस अनूठी पहल का लक्ष्य मिट्टी से होने वाली बीमारियों को कम करना और बीजों की जीवन शक्ति के साथ-साथ उनके अंकुरण में सुधार करना है। यह कृषि क्षेत्र में अपनी तरह का पहला सहयोग है जो टिकाऊ समाधानों पर केंद्रित है। यह सहयोग बीज आलू उत्पादन और प्रसंस्करण-ग्रेड स्थिरता के सामने आने वाली सबसे गंभीर चुनौतियों का समाधान करेगा। अक्सर आलू उत्पादन में मिट्टी जनित रोगों, पैदावार में अस्थिरता और प्रसंस्करण लाइनों में उच्च अस्वीकृति दर जैसी समस्याएँ आती हैं। हाईफार्म और श्री बायो एस्थेटिक्स द्वारा विकसित यह मॉडल इन बाधाओं को दूर कर किसानों और प्रसंस्करण इकाइयों के लिए बेहतर परिणाम सुनिश्चित करेगा।

एनआईआईएमएच ने मनाया पोषण पखवाड़ा-जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों के मस्तिष्क विकास पर जोर

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच) द्वारा इन दिनों 8वां राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा भव्य रूप से मनाया जा रहा है। 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत आज गड्डीअन्नारम स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के स्वास्थ्य और विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई।

इस वर्ष के पोषण पखवाड़ा का मुख्य विषय जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने इस वैज्ञानिक तथ्य पर प्रकाश डाला कि मानव मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु से पहले ही हो जाता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, छोटे बच्चों में मस्तिष्क के विकास पर विशेष ध्यान शीर्षक के तहत माताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जागरूक किया गया ताकि वे बच्चों की प्रारंभिक अवस्था में उनके पोषण के प्रति अधिक सजग रहें।

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. गोविंद रेड्डी की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद और प्राचीन भारतीय चिकित्सा ज्ञान को आधुनिक स्वास्थ्य मानकों के साथ मिलाकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है। वक्ताओं ने बताया कि किस प्रकार पारंपरिक आहार और आयुर्वेदिक पद्धतियाँ बच्चों की स्मृति शक्ति, एकाग्रता और समग्र मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती हैं।

गड्डीअन्नारम में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय समुदाय को पोषण के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया। संस्थान के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि यदि प्रारंभिक वर्षों में बच्चों को सही पोषण मिले, तो न केवल उनका शारीरिक विकास बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता भी शिखर पर पहुँच सकती है। आगामी 23 अप्रैल तक संस्थान द्वारा इस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न अन्य स्थानों पर भी इसी तरह के ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

महिला आरक्षण विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक को जोड़ना केंद्र की बड़ी साजिश: कविता

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति पार्टी की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को महिला आरक्षण विधेयक के साथ जोड़ना केंद्र की एक 'बड़ी साजिश' है।

उन्होंने चेतावनी दी कि तेलंगाना के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कम करने वाला कोई भी कदम राज्य में एक और जन आंदोलन को जन्म दे सकता है। बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना जागृति कार्यालय से जारी एक वीडियो बयान में सुश्री कविता ने कहा कि हालांकि संसद में महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है लेकिन इसे परिसीमन के साथ जोड़ने का प्रयास भ्रामक और राजनीति से प्रेरित है।

सुश्री कविता ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन दो अलग-अलग मुद्दे हैं। उन्होंने केंद्र पर परिसीमन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए 'महिलाओं को ढाल के रूप में उपयोग करने' का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने टिप्पणी की, वे प्रभावी रूप से महिलाओं के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे हैं।

सुश्री कविता ने संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हालांकि यह निष्पक्ष लग सकता है लेकिन इसका तेलंगाना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार जैसे राज्यों की तुलना में तेलंगाना की सीटों की हिस्सेदारी असमान रूप से कम हो सकती है, जिससे उसका राजनीतिक महत्व कम हो जाएगा।

जागृति नेता ने जोर देकर कहा कि वर्तमान में संसद में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व 3.13 प्रतिशत है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि परिसीमन के बाद भी यह हिस्सा अपरिवर्तित रहे, चाहे कोई भी मानदंड अपनाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी, यदि तेलंगाना के राजनीतिक महत्व को कम किया गया, तो राज्य के गठन के आंदोलन जैसा ही एक और आंदोलन अनिवार्य हो जाएगा।

सुश्री कविता ने देय धनराशि जारी न करने और प्रमुख राज्य पहलों को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा न देने के लिए भी केंद्र की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक महत्व में और कमी आने से स्थिति और खराब हो जाएगी।

जागृति नेता ने कहा कि परिसीमन को महिला आरक्षण विधेयक से जोड़ने के बजाय, केंद्र को वास्तविक सामाजिक न्याय प्राप्त करने के लिए महिला कोटे के भीतर पिछड़े वर्गों (बीसियों) के लिए उप-कोटा सुनिश्चित करना चाहिए।

जाति जनगणना को सार्वजनिक करने का तेलंगाना का कदम ऐतिहासिक: वाकिटी श्रीहरि

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पशुपालन, डेयरी विकास और खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरि ने जाति जनगणना के विवरण को सार्वजनिक करने के तेलंगाना सरकार के निर्णय को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि यह कदम पारदर्शिता और सामाजिक न्याय को मजबूती प्रदान करता है।

सचिवालय में बुधवार शाम को पत्रकारों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि उन राजनैतिक दलों के लिये इस पहल की आलोचना करना हास्यास्पद है, जिन्होंने दशकों तक जाति जनगणना पर अपने रुख को केवल कोरी बयानबाजी तक सीमित रखा था। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी आलोचना इस डर से पैदा हो रही है कि प्रामाणिक आंकड़ों के जारी होने से उनका राजनैतिक झूठ उजागर हो जायेगा।

श्री श्रीहरि ने उल्लेख किया कि इस निर्णय से पिछड़े वर्गों की वास्तविक स्थिति का पता चलेगा और जनता उन नेताओं की सच्ची प्रतिबद्धता को समझ सकेगी जिन्होंने अब तक स्वयं को केवल वादों तक सीमित रखा था। उन्होंने कहा कि आंकड़ों तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित होने से विकास योजनाएं वास्तव में पात्र वर्गों तक पहुंच सकेंगी। उन्होंने कुछ दलों पर भ्रांतियां फैलाकर जनता को जानबूझकर गुमराह करने का आरोप लगाया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि तेलंगाना सरकार ईमानदारी और साहस के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने टिप्पणी की, जो लोग सामाजिक न्याय की बात करते हैं, उन्हें पहले पारदर्शिता अपनानी चाहिये। ऐसी पहलों के महत्व पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि समाज में समानता लाने के लिये जाति जनगणना जैसे निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने पुष्टि की कि सरकार बाहरी दबावों के आगे झुके बिना अपने प्रयास जारी रखेगी।

श्री श्रीहरि ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में और राहुल गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप की गयी व्यापक जाति जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करना सरकार की ईमानदारी को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिक इन आंकड़ों को देख सकते हैं और सरकार को अपने सुझाव तथा अनुशंसाएं दे सकते हैं।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हुई

कुरनूल, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ और घायलों की संख्या 13 हो गयी है।

जिले के मंत्रालयम मंडल के चिलकलदोना गांव में हुए इस हादसे में मरने वालों में पांच महिलाओं समेत एक बच्ची भी है। यह हादसा तब हुआ जब एक वैन की टक्कर कंक्रीट मिक्सर ट्रक से हो गई।

पुलिस ने बताया कि कर्नाटक के चिकमंगलूर के कुछ लोग वैन में सवार होकर मंत्रालयम स्थित श्री राघवेंद्र स्वामी मंदिर जा रहे थे। वैन और कंक्रीट मिक्सर ट्रक की भिड़ंत में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान कुमार (50), दीपिका वीणा (42), सुनील (40), यशोदा (60), पुट्टम्मा (55), लक्ष्मी (60), मीनाक्षी (46) और बेली (5) के रूप में हुई है। घायलों को सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें कुरनूल के अस्पताल भेजा गया है।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया। इसके अलावा घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर ने इस सड़क हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने जिला प्रशासन को घायलों को उचित चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी हादसे पर गहरा शोक जताते हुए घायलों का बेहतर इलाज और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

लायंस क्लब ने जरूरतमंद बुजुर्गों को बांटी आवश्यक सामग्री

बांसवाड़ा, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल के रामपुर गांव में अत्यंत गरीबी में जीवन यापन कर रहे 70-80 वर्ष आयु के तीन बुजुर्गों को लायंस क्लब द्वारा सहायता प्रदान की गई। क्लब की ओर से गुरुवार, 16 अप्रैल 2026 को प्रातः 9:00 बजे ग्राम पंचायत परिसर में प्रत्येक बुजुर्ग को लगभग 2000 रुपये की आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर लायंस क्लब के प्रेसिडेंट बेजुगम वेंकटरमण टीचर ने कहा कि गरीबों की सेवा करना भगवान की सच्ची पूजा के समान है। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में लायंस सेक्रेटरी खालिद, क्लब के वरिष्ठ सदस्य दुड्डाला अंजी रेड्डी, बुनेकर प्रकाश, स्कूल प्रिंसिपल कर्ण वीरप्पा, नक्का प्रवीण, शिक्षक नरसिम्हा राजू, किशन, गांव के उपसरपंच अज़ीज़, कुरमा गणेश सहित गांव के बुजुर्ग एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यह सेवा कार्य समाज में सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल माना जा रहा है।

चेयुता फाउंडेशन ने गोरक्षा के समर्थन में चलाया हस्ताक्षर अभियान

बांसवाड़ा, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गाय के सम्मान और संरक्षण को लेकर चेयुता फाउंडेशन द्वारा बांसवाड़ा में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। यह अभियान गौ सम्मान अंकुश अभियान संस्था के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान कोटा गली बस्ती में आयोजित हिंदू सम्मेलन में आए भक्तों को संबोधित करते हुए आयोजकों ने गाय को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित करने और गोहत्या के विरुद्ध सख्त कानून बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अभियान का संचालन श्री नंदला शंकर, श्री लेंड्याला राजू एवं श्री एड्डुबल्ली सिद्धार्थ (सिद्दू) के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए पिटीशन पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रेरित किया।

बीकानेर में पर्यटन और आतिथ्य को नया आयाम 'ओरा बाई द थार' होटल की भव्य शुरुआत

बीकानेर, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। थार की सुनहरी रेत और समृद्ध राजस्थानी संस्कृति के बीच आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ओरा बाई द थार होटल अब बीकानेर की नई पहचान बनने जा रहा है। जयपुर रोड पर बाईपास से 300 मीटर आगे स्थित इस भव्य होटल के शुभारंभ से पूर्व प्रबंधन द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर होटल की विशेषताओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की गई।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मयंक बागड़ी, मनन बागड़ी, दीपा बागड़ी एवं मिहिर बागड़ी ने बताया कि होटल को पारंपरिक राजस्थानी विरासत और आधुनिक लक्ज़री के समन्वय के साथ तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि बीकानेर में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए यह पहल शहर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में सहायक होगी।

होटल में मेहमानों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ राजस्थानी व्यंजन, लोक-सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्कृष्ट आतिथ्य सेवा का विशेष प्रावधान किया गया है। प्रबंधन के अनुसार यहां आने वाले पर्यटकों को 'रॉयल एक्सपीरियंस' का विशेष अनुभव कराया जाएगा, जिससे बीकानेर के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

होटल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में यहां कॉर्पोरेट इवेंट्स, वेडिंग डेस्टिनेशन और सांस्कृतिक आयोजनों की योजना बनाई जा रही है। इससे बीकानेर के पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के पश्चात मीडिया प्रतिनिधियों को होटल का भ्रमण करवाया गया, जहां उन्होंने व्यवस्थाओं और सुविधाओं की सराहना की।

होटल प्रबंधन ने सभी अतिथियों और मीडिया का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि 'ओरा बाई द थार' बीकानेर के आतिथ्य क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा और शहर के पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

ज्ञान इंटरनेशनल एकेडमी में अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब स्थापित, हेल्थ कैंप व स्टेशनरी किट्स का वितरण

गौतम बुद्धनगर, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रामीण भारत के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अनन्याश्री फाउंडेशन ने इंस्पायर, एंपावर एवं ट्रांसफॉर्म के उद्देश्य के साथ एक परिवर्तनकारी कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

दक्षिण कोरिया की प्रतिष्ठित संस्था तिहवा एंटरप्राइजेज के सहयोग से ग्राम तुस्याना, जनपद गौतम बुद्धनगर (उ.प्र.) स्थित ज्ञान इंटरनेशनल एकेडमी स्कूल में वीरवार को अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब की सफल स्थापना की गई।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित की गई तथा 500 छात्रों के लिए व्यापक चिकित्सा शिविर आयोजित कर सभी विद्यार्थियों को डेंटल किट्स वितरित किए गए। साथ ही स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था, स्टेशनरी किट्स का वितरण और स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित किया गया, जिससे सैकड़ों छात्र प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य गजराज सिंह के सक्रिय एवं प्रेरणादायी योगदान के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया। इसके साथ ही समाजसेवी रमेश सिंह टोंगर, तिहवा इंडिया के एमडी जून शियांग बे, मुख्य वित्तीय अधिकारी जिन वोन जेंग, फैक्ट्री प्रमुख निशांत खुराना, एचआर प्रमुख हेमेन्द्र सिंह, लेखा प्रमुख शंतनु घोष तथा अनन्याश्री फाउंडेशन के महासचिव एवं ट्रस्टी डॉ. मनीष पांडे, अध्यक्ष सुश्री नेहा गुप्ता, संगठन सचिव वाई.के. गुप्ता, सदस्य मुकुल गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

डॉ. मनीष पांडे ने बताया कि यह पहल केवल एक सीए-सआर गतिविधि नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, नेतृत्व प्रशिक्षण एवं उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

अनन्याश्री फाउंडेशन ने इस पहल को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों को जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

यह पहल शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी सशक्तिकरण के समन्वय के माध्यम से ग्रामीण भारत में स्थायी परिवर्तन की दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करती है।

कविता काशी के लिए वाराणसी रवाना हुईं

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति पार्टी की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता 25 अप्रैल को होने वाली अपनी नयी राजनीतिक पार्टी की घोषणा से पहले गुरुवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करने के लिए वाराणसी रवाना हुईं।

सूत्रों के अनुसार, सुश्री कविता अपने नए राजनीतिक पार्टी की तैयारियों के तहत भगवान काशी विश्वनाथ का आशीर्वाद लेंगी। उनके आज शाम को ही हैदराबाद लौटने की संभावना है।

अमावस्या पर गौ धन सेवा कार्यक्रम आज गौशाला में होगा आयोजन

बांसवाड़ा, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा चेयुथा ग्रुप के तत्वावधान में अमावस्या के अवसर पर शुक्रवार, 17 अप्रैल को गौ धन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बांसवाड़ा मंडल के तिरुमलापुर गांव के बाहरी क्षेत्र स्थित श्री गोवर्धनी गौशाला में प्रातः 9:00 बजे आयोजित होगा।

चेयुथा फाउंडेशन के एडमिनिस्ट्रेटर नंदला शंकर ने एक बयान में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत जिम श्री हनुमान मंदिर से होगी, जहां से सदस्य एकत्रित होकर गौशाला के लिए प्रस्थान करेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। गौ सेवा के इस आयोजन के माध्यम से समाज में सेवा भावना और पशु संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य रखा गया है।

हनमाजीपेट में अखंड हरि नाम सप्ताह कार्यक्रम का भव्य आयोजन

बांसवाड़ा, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल के हनमाजीपेट गांव स्थित हनुमान मंदिर में अखंड हरि नाम सप्ताह कार्यक्रम बड़ी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ प्रारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम के छठे दिन बुधवार को वडागांव के चैतन्य महाराज के कीर्तन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने संत तुकाराम महाराज और संत ज्ञानेश्वर महाराज द्वारा रचित चार चरणों वाले अभंगों का वर्णन करते हुए भक्ति का महत्व समझाया।

चैतन्य महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य जीवन ईश्वर के समीप जाने का श्रेष्ठ अवसर है, इसलिए सभी को भगवान का नाम स्मरण करना चाहिए, चाहे जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति सच्चे मन से भगवान का नाम लेता है, वह वास्तव में सौभाग्यशाली होता है।

इस अवसर पर भजन मंडली के सदस्यों एवं गांववासियों ने झांझ, मृदंग और अन्य वाद्य यंत्रों के साथ पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में कोनापुर, सांगोजीपेट, खडालापुर, सर्वपुर, मुडेली सहित आसपास के गांवों के लोग, बुजुर्ग, महिलाएं एवं युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए।

तेलंगाना पाकिस्तान!

सूर्या माफी माँगें: ईटी नरसिम्हा

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के तेलंगाना राज्य संयुक्त सचिव ईटी नरसिम्हा ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद तेजस्वी सूर्या से तेलंगाना की तुलना पाकिस्तान से करने के लिए तत्काल माफी मांगने की मांग की। श्री नरसिम्हा ने उनके बयानों को बेहद अपमानजनक और असंवेदनशील बताया।

श्री नरसिम्हा ने अपने बयान में कहा कि भाजपा नेताओं ने तेलंगाना के गठन के बारे में बार-बार अपमानजनक टिप्पणियां की हैं, जो राज्य और वहां के लोगों के प्रति उनकी दुश्मनी को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियां उन हजारों लोगों के बलिदान का अपमान हैं, जिन्होंने राज्य का दर्जा हासिल करने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी।

उन्होंने तेलंगाना के गठन पर पहले की गई टिप्पणियों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि ऐसे बयानों से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। श्री नरसिम्हा ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन की जड़ें सामंती उत्पीड़न के खिलाफ और आत्म-सम्मान के लिए किए गए एक लंबे और ऐतिहासिक संघर्ष में निहित हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इसे कमतर दिखाने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने नागरिकों से प्रतिक्रिया देने का आह्वान करते आग्रह किया कि वे उन टिप्पणियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करें जिन्हें उन्होंने अज्ञानतापूर्ण और अपमानजनक बताया तथा तेलंगाना की गरिमा और इतिहास को बनाए रखें।

आज अमावस्या
गौदर्शन, गौसेवा एवं गौदान का विशेष महत्व
गौवंश को कत्लखाने जाने से छुड़ाकर आश्रय प्रदान किया जाता है
इमलीबन गौ सेवा सदन (गौशाला) में बीमार, वृद्ध, विकलांग तथा दुर्घटनाग्रस्त गौवंश को आश्रय दिया जाता है
हमारा उद्देश्य मात्र गौ रक्षा एवं गौ सेवा
भाग्यनगर गौ सेवा सदन (गौशाला)
Regd. No.5927/96
लोवर टैंक बण्ड, सिकन्दराबाद ✆ 65575872
अमावस पर सभी परिवार सहित गौसेवा हेतु गौशाला पधारे।
गौशाला प्रांगण में गणेशजी, महालक्ष्मीजी के मंदिर में दर्शन लाभ प्राप्त करें।
Account Name : Bhagyanagar Gau Sewa Sadan (Imliban)
A/c No. : 98380200002253 Bank of Baroda, Abids Branch, Hyderabad
IFSC Code : BARBOEXTCHT (After B it's Zero (0) in IFSC Code)
इमलीबन गौ सेवा सदन
महात्मा गाँधी बस स्टेशन, इमलीबन, हैदराबाद
भाग्यनगर गौ सेवा सदन, लोवर टैंक बण्ड में पिछले 14 वर्षों से लगातार प्रतिदिन अन्नदान सेवा की जा रही है।

अमेरिकी राष्ट्रीय युद्ध महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिकी राष्ट्रीय युद्ध महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में तेलंगाना के सूचना एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू से विशेष मुलाकात की। बैठक के दौरान मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को तेलंगाना में उपलब्ध विशाल निवेश अवसरों और विशेष रूप से एयरोस्पेस, रक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्रों में अनुकूल वातावरण के बारे में जानकारी दी।श्रीधर बाबू ने प्रतिनिधिमंडल से आग्रह किया कि वे अमेरिकी उद्यमियों और कंपनियों को राज्य के इन उभरते क्षेत्रों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें । उन्होंने तेलंगाना के बढ़ते बुनियादी ढांचे और नीतिगत समर्थन को भी रेखांकित किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, चर्चा में एयरोस्पेस, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में अमेरिका और तेलंगाना के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया और दोनों पक्षों ने सहयोग बढ़ाने में रुचि व्यक्त की।

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रखी गई है।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास् का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गूड - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

गौ माता,गौ माता की संतान की सेवा और पोषण क्षेत्र में कार्य कर रहा
Dhyan Foundation
Journey of Spirit
ध्यान फाउंडेशन
गौशाला
आज अमावस्या
पेद्दाशापुर, गोलुर रोड
(स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप)
अवैध कत्लखानों से बचाए गए
3500 से अधिक गौवंश का घर
ध्यान फाउंडेशन द्वारा पेद्दाशापुर, गोलुर रोड गौशाला तथा यादगिरीगुट्टा में सहयोग नन्दीशाला में गौवंश की सेवा की जा रही है।
गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।
प्रति एकादशी सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्ति यज्ञ का आयोजन
सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।
Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

तेलंगाना ने जारी किया सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण

56 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पिछड़े समुदाय की जनसंख्या सबसे अधिक

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने अपना व्यापक सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण जारी कर दिया है। इसके अनुसार राज्य की कुल 3,55,50,759 की कुल आबादी में पिछड़ा वर्ग की आबादी 56.33 प्रतिशत है, जिसमें 10.08 प्रतिशत पिछड़े मुस्लिम शामिल हैं। इसके अलावा अनुसूचित जाति की आबादी 17.43 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति 10.45 प्रतिशत और अन्य जातियों की 15.79 प्रतिशत है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन में यह सर्वेक्षण जारी किया। श्री प्रभाकर ने कहा कि रिपोर्ट पर राज्य विधानसभा में पहले ही चर्चा हो चुकी है और सरकार ने इससे मिले नतीजों के आधार पर पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

राज्य के पिछड़ा वर्ग के भीतर, रेड्डी समुदाय 30.47 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा समूह हैं। अन्य समूहों में मुस्लिम (11.08 प्रतिशत), वैश्य (9.07 प्रतिशत), कम्मा (6.56 प्रतिशत), ब्राह्मण (5.98 प्रतिशत) और वेलमा (2.56 प्रतिशत) आते हैं। एक रोचक बात यह भी सामने आयी है कि अन्य वर्ग श्रेणी के 21.49 प्रतिशत व्यक्तियों ने अपनी जाति की पहचान उजागर नहीं की। अगर संख्या के रूप में देखें तो ये 12 लाख से अधिक हैं।

सर्वेक्षण में शिक्षा, रोजगार, भूमि स्वामित्व, आवास और वाहनों के मामले में असमानताओं पर भी प्रकाश डाला गया है। इनमें उच्च जातियां आमतौर पर इनके संकेतकों में आगे हैं। भूमि स्वामित्व के मामले में रेड्डी समुदाय सबसे आगे है, जिसके बाद यादव, लंबाडा, मुदिराज, मडिगा और मुन्नूरु कापू समुदायों का स्थान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामाजिक-आर्थिक स्थिति के संदर्भ में 56 प्रमुख जातियों में महत्वपूर्ण अंतर है। यह देखा गया कि पिछड़ा वर्ग के भीतर कुछ वर्ग अगड़ी जातियों के बराबर हैं, जबकि अजा ईसाई और कमसाली राज्य के औसत पिछड़ेपन सूचकांक की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक उन्नत हैं। सभी समुदायों में अंतर-जातीय विवाहों के बढ़ते चलन का भी संकेत मिलता है। सरकार ने रिपोर्ट को अपने आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से जनता के लिए सुलभ बना दिया है और चर्चा एवं फीडबैक आमंत्रित किया है। श्री प्रभाकर ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य व्यापक विमर्श सुनिश्चित करना है, जिसमें संसद भी शामिल है, खासकर जब वर्तमान सत्र शुरू हो रहा है। केंद्र ने पहले देशव्यापी जाति जन-गणना को अव्यावहारिक बताया था, लेकिन अब तेलंगाना की पहल के बाद वह इसे कराने के लिए सहमत हुआ।

18 से 24 मई 2026
श्रीमद् भागवत कथा
दोपहर 2 से 5 बजे तक
कथा स्थल :
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, रामानुजाचार्य प्रतिमा के पास शमशाबाद
बाल व्यास :
विष्णु प्रिया अवि जी द्वारा
सम्पर्क करें : 9100353375, 9849030314, 9000001863, 7989734546, 9246346311
निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल, शमशाबाद
शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, हैदराबाद
© 9849379735, 9100353375
आज शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 अमावस्या है।
गौसेवा हेतु अवश्य पधारें।
गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने। गौसेवा हेतु सहयोग राशि स्कैन कर सकते हैं।
विशेष : राजस्थानी महिला संघ द्वारा भजन अपराह्न 3 से 5 बजे तक

॥ श्री गणेशाय नमः॥
शुक्रवार दिं. 17 अप्रेल 2026, दर्श-सतु अमावस्या के अवसर पर पधारें
श्री आईजी गौशाला
शुक्रवार दिं. 17 अप्रेल 2026, दर्श-सतु अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)
के अवसर पर सपिरवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्य कर लाभ लेवें
आज की महाप्रसादी व्यवस्था कार्य स्थल पर रहेगी
भजन गायक रमेश जी सीरवी एण्ड पार्टी
आज हरे घास की व्यवस्था
धनलक्ष्मी ट्रेडिंग कंपनी
बीरमगुडा, हैदराबाद
गौशाला के बैंक एकाउंट में भी दान राशी जमा कराकर पुण्य के भागीदार बने
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c no.: 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

भाजपा महिला मोर्चा ने हैदराबाद में किया नारी शक्ति वंदन पदयात्रा का आयोजन

हैदराबाद, 16 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भाजपा महिला मोर्चा ने गुरुवार को चंदननगर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रतिमा से सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के बीएचईएल चौराहा तक 'नारी शक्ति वंदन पदयात्रा' का आयोजन किया और केंद्र सरकार की महिला राजनीतिक सशक्तिकरण की पहल को उजागर किया।

पदयात्रा के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए, तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि इसका उद्देश्य विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा पेश किया गया यह कानून महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, और साथ ही परिसीमन प्रक्रिया के साथ-साथ 2029 से कानून को लागू करने के लिए कदम भी उठाए गए हैं।

श्री राव ने तेलंगाना की महिलाओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत करेगा और शासन में महिलाओं के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा। कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि 2008 में महिला आरक्षण विधेयक पेश करने के पहले के प्रयासों को उसके सहयोगियों द्वारा बाधित किया गया था और कांग्रेस पर इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख न अपनाने का आरोप लगाया।

हार्दिक बधाई

श्री रूपेश अग्रवाल बसईवाले
(सुपुत्र : स्व. श्री महेशचंदजी अग्रवाल)
को
अग्रवाल समाज, तेलंगाना
के कार्यवाहक अध्यक्ष
मनोनीत होने पर
हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएँ
शुभकामनाओं सहित : शालीबंडा महिला शाखा
प्रतिमा अग्रवाल (अध्यक्ष), मंजू अग्रवाल (उपाध्यक्ष),
शीतल बंसल (सचिव), रेनू अग्रवाल (संयुक्त सचिव),
लीना अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), प्रियंका डोकानिया (केएस सदस्य),
किरण गोयनका (भूतपूर्व अध्यक्ष)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.